सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 19, नई दिल्ली | मंगलवार, 04 अप्रैल 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

मन पर नियंत्रण रखना सीखे, क्युकि अनियंत्रित मन ही आपके और आपकी सफलता के बिच का काँटा है।

इनसाइड

रोडवेज के 14 रूटों पर निजी बस चलाने के विरोध में मोर्चा, 19 को एक दिन का कार्य बहिष्कार

देहरादून। प्रदेश में 14 ऐसे रूटों पर निजी बसों के संचालन का प्रस्ताव जारी किया है, जिन पर केवल रोडवेज बसें संचालित करने का प्रावधान था। इन 14 रूटों पर निजी बस संचालन के परिवहन विभाग के प्रस्ताव पर उत्तराखंड परिवहन निगम कर्मचारी मोर्चा विरोध में उतर आया है। परिवहन निगम के 14 रूटों पर निजी बस संचालन के परिवहन विभाग के प्रस्ताव पर उत्तराखंड परिवहन निगम कर्मचारी मोर्चा विरोध में उतर आया है। मोर्चा ने सभी संघटकों की बैठक बुलाकर विरोध जताया। विरोध में 19 अप्रैल को एक दिवसीय कार्य बहिष्कार और धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी। परिवहन विभाग ने हाल ही में प्रदेश में 14 ऐसे रूटों पर निजी बसों के संचालन का प्रस्ताव जारी किया है, जिन पर केवल रोडवेज बसें संचालित करने का प्रावधान था। हल्द्वानी संभाग में हल्द्वानी-रानीखेत, हल्द्वानी-नैनीताल, रानीबाग-भीमताल, हल्द्वानी-सितारगंज-खटीमा-टनकपुर, टनकपुर-लोहाघाट, लोहाघाट-घाट, पिथौरागढ़-ओगला, मुरादाबाद-रामपुर-किच्छा-हल्द्वानी, रानीखेत-द्वाराहाट रूट शामिल हैं।

नांगलोई-नजफगढ़ रोड डिवाइडर में घुसी क्लस्टर बस, जानवर को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा

हादसे का शिकार हुई बस (संख्या नंबर DL1PD5864) के ड्राइवर रवि कुमार ने बताया कि उसे लगा कि कोई जानवर उसकी गाड़ी के आगे आ गया है, जिसे बचाने के चक्कर में यह हादसा हुआ.

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली के थाना बीएचडी नगर इलाके में नांगलोई-नजफगढ़ रोड पर एक क्लस्टर बस डिवाइडर में जा घुसी और हादसे का शिकार हो गयी. हालांकि इस हादसे में किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है. यह हादसा जय विहार नाला के पास हुआ.

जानवर को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा

हादसे का शिकार हुई बस (संख्या नंबर DL1PD5864) के ड्राइवर रवि कुमार ने बताया कि उसे लगा कि कोई जानवर उसकी गाड़ी के आगे आ गया है, जिसे बचाने के चक्कर में यह हादसा हुआ. हादसे के बाद डिपो का सुपरवाइजर बस को डिपो ले गया. इस समय यह हादसा हुआ उस वक्त बस में कोई यात्री नहीं था. इस हादसे को लेकर कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है.

एक महीने पहले भी हादसे का शिकार हुई थी क्लस्टर बस

लगभग एक महीने पहले दिल्ली में एक और क्लस्टर बस हादसे का शिकार हुई थी. दिल्ली के खान मार्केट इलाके में यह हादसा हुआ था. एक क्लस्टर बस एक कब्रिस्तान की दीवार से टकरा गई थी. बस की वजह से करीब 10 कब्रें क्षतिग्रस्त हुई थीं.

सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो और तस्वीरें जमकर वायरल हुई थीं. क्लस्टर बस का एक बड़ा हिसा कब्रिस्तान की दीवार को तोड़ते हुए कब्रिस्तान में घुस गया था. पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया था कि यह क्लस्टर बस हुमायूं रोड से आ रही थी तभी अचानक ड्राइवर ने बस से अपना कंट्रोल खो दिया और बस सीधे कब्रिस्तान से जा टकराई. इस हादसे में बस का ड्राइव, कंडक्टर और बस में सवार मार्शल घायल हुए थे. जनवरी महीने में भी दिल्ली के करोल बाग में एक क्लस्टर बस हादसे का शिकार हुई थी. यह हादसा बस के ब्रेक फेल होने के कारण हुआ था. ब्रेक फेल होने के बाद बस सड़क के किनार लौहारों की झुग्गी-झोपड़ियों में घुस गई थी. इस हादसे में कई लोग घायल हुए थे.

ना किसी के दबाव में, ना किसी के प्रभाव में !!!
निर्भकता से आपके लिए प्रस्तुत करे खबरे
सिर्फ और सिर्फ, सच :- परिवहन विशेष

अब आपके लिए अवसर परिवहन विशेष समाचार पत्र मे काम करने का

अगर आप को पत्रकारिता का शौक है और जनहित के मुद्दों को लिखने/उठाने और उनका हल करवाने के इच्छुक है तो आप परिवहन विशेष (हिन्दी दैनिक) समाचार पत्र के साथ जुड़कर अपना सपना/इच्छा पूरी कर सकते हैं।

इस फेलोशिप के जरिए आपको मिलेगा पत्रकारिता में सफलता प्राप्त कर पत्रकार बनने के अवसर । फेलोशिप के दौरान आप देश के हिन्दी अखबार दैनिक के साथ काम कर पाएंगे। 15 माह की फेलोशिप पूरी करने के बाद आपके पास होगा परिवहन विशेष में नौकरी करने का अवसर ।

जर्नलिजम प्रिंट एवं डिजिटल फेलोशिप

फेलोशिप के दौरान दूसरे माह से कार्य करने के प्रति जागरूकता और क्षमता के अनुसार मासिक स्टाइपेंड दिया जाएगा।

जरूरी योग्यता :-हिन्दी बोलने, पढ़ने और लिखने में दक्षता।

आवेदन 25 मार्च 2023 से 30 अप्रैल 2023 के बीच किए जा सकते हैं।

newstransportvishesh@gmail.com
www.newstransportvishesh.com

कोतवाली इलाके में बसों ने ली सबसे ज्यादा लोगों की जान, इस क्षेत्र में साइकिल सवारों की अधिक मौत

परिवहन विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी के कोतवाली इलाके में पिछले चार सालों में बसों ने सबसे ज्यादा 20 लोगों की जान ली। इस इलाके में सबसे ज्यादा बस दुर्घटनाएं हुईं। इसके बाद लाजपत नगर, पहाड़गंज व संसद मार्ग थाना इलाका आता है। वर्ष 2021 के मुकाबले वर्ष 2022 में बसों से हुई सड़क दुर्घटनाओं में 41 फीसदी की वृद्धि हुई है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। अब ट्रैफिक पुलिस इस बात का अध्ययन करवा रही है कि कोतवाली इलाके में ही सबसे ज्यादा बस दुर्घटनाएं क्यों रही हैं। इसके पीछे क्या कारण हैं, ताकि इनसे निजात के उपाय किए जा सकें।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2019 के मुकाबले वर्ष 2020 में बसों से हुई दुर्घटनाओं में मरने वाले लोगों की संख्या में 37 फीसदी और घातक दुर्घटनाओं में 38.5 फीसदी की कमी आई थी। वर्ष 2019 में हुई सड़क दुर्घटनाओं में बसों ने 98 लोगों की जान ली थी और 347 लोग घायल हुए थे।

2021 में बसों ने 71 लोगों की जान ली

वर्ष 2020 में बसों ने 62 लोगों की जान ली थी और 231 लोग घायल हुए थे। वर्ष 2019 में 96 घातक बस दुर्घटनाएं हुई थीं। वहीं, वर्ष 2020 में 59 घातक दुर्घटनाएं हुई थीं। वर्ष 2021 में बसों ने 71 लोगों की जान ली थी और 223 लोगों को घायल किया था।

2022 में बसों ने ली 38 फीसदी ज्यादा लोगों की जान

वर्ष 2021 के मुकाबले 2022 में बसों ने 38 फीसदी ज्यादा लोगों की जान ली। वर्ष 2021 में 66 तो वर्ष 2022 में 93 घातक बस दुर्घटनाएं हुई हैं। घातक बस दुर्घटनाओं में 41 फीसदी की वृद्धि हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अगर बस से हुई सड़क दुर्घटनाओं को क्षेत्रवार के हिसाब से तुलना करते तो वर्ष 2019 में कोतवाली, जहांगीरपुरी और पहाड़गंज क्षेत्र में सबसे ज्यादा हुईं।

वर्ष 2020 और 2021 में कोतवाली और लाजपत नगर इलाके में सबसे ज्यादा बस दुर्घटनाएं हुई। वर्ष 2022 में कोतवाली, लाजपत नगर और सिविल लाइंस क्षेत्र में सबसे ज्यादा बस हादसे हुए हैं।

कोतवाली इलाके में ही सबसे ज्यादा बस दुर्घटनाएं हो रही हैं। इसे लेकर अध्ययन करवाया जा रहा है। हालांकि, शुरुआती जांच में ये बात सामने आई है कि सलीमगढ़ बाइपास व अन्य सड़कों पर वाहन तेज गति से चलते हैं। यहां से दूसरे राज्यों से आने वाले वाहन भी गुजरते हैं। यहां पर रफ्तार कंट्रोल करने के इंतजाम किए जा रहे हैं।

-एसएस यादव, विशेष पुलिस आयुक्त, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस

बवाना में सबसे ज्यादा साइकिल सवारों की मौत

बवाना क्षेत्र में सबसे ज्यादा साइकिल सवारों की मौत हुई है। क्षेत्र में सबसे ज्यादा साइकिल सवारों की मौतें हुईं। वहीं, वर्ष 2022 में बवाना, वसंतकुंज और बदरपुर में सबसे ज्यादा साइकिल सवारों की मौत हुई थी। वर्ष 2021 में 45 साइकिल सवारों की मौत व 123 घायल हुए। वर्ष 2022 में 48 साइकिल सवारों की मौत 134 घायल हुए थे।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि राजधानी के कोतवाली इलाके में पिछले चार वर्षों में बसों ने सबसे ज्यादा 20 लोगों की जान ली है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

टोकन को कहें टाटा बाय-बाय: मोबाइल व रुपे कार्ड से करें मेट्रो में सफर

परिवहन विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो में सफर करने के लिए यात्रियों को टोकन की जरूरत नहीं होगी। आधुनिक तकनीक के जरिये यात्रा को और सुलभ बनाने के लिए टिकटिंक प्रणाली को कॉन्टैक्टलेस बनाया जा रहा है। डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन कर भी मेट्रो में आप जल्द सफर कर सकेंगे। इनमें से कोई विकल्प अगर नहीं है तो फिलहाल टोकन मिलेगा। एक साल बाद टोकन के बजाय प्रिंटेड क्यूआर कोड के जरिये मेट्रो में आप सफर कर सकेंगे। इससे सभी वर्ग के यात्रियों को मेट्रो में सफर की सुविधा मिल सकेगी।

यात्रियों की सहूलियत के लिए दिल्ली मेट्रो के सभी स्टेशनों पर एक या दो एएफसी गेट को अपग्रेड किया जा रहा है। इससे यात्रियों को नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) के इस्तेमाल का मौका मिलने लगेगा। इसके लिए दिल्ली मेट्रो के गेट पर क्रेडिट, रुपे कार्ड और मेट्रो कार्ड, मोबाइल फोन के जरिये क्यूआर कोड स्कैन करने की सुविधा मुहैया की जाएगी। अगर यात्री के पास एंड्रॉयड फोन नहीं है तो भी यात्रा के लिए टोकन होगा। धीरे धीरे इसकी जगह भी प्रिंटेड क्यूआर बतौर टिकट इस्तेमाल किया जा सकेगा। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने तैयारियां पूरी कर ली है। अप्रैल के आखिर तक दिल्ली मेट्रो में एनसीएमसी की सुविधा लागू किए जाने की संभावना है।

स्मार्ट कार्ड पर होने वाले खर्च की होगी बचत

नई प्रणाली के लागू होने से दिल्ली मेट्रो का टोकन या स्मार्ट कार्ड में मद में होने वाले खर्च की भी बचत होगी। नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड की सुविधा लागू होने से स्मार्ट कार्ड पर भी दिल्ली मेट्रो को खर्च नहीं करना पड़ेगा। इससे होने वाली बचत का कहीं और इस्तेमाल कर सकेंगे। फिलहाल एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर क्यूआर कोड से टिकट की सुविधा है। एनसीएमसी लागू होने पर सभी मेट्रो लाइन के यात्रियों को यह सुविधा मिलने लगेगी।

अतिरिक्त राशि का भी कर सकेंगे कार्ड से भुगतान

सफर के दौरान अगर नियत समय से अधिक देर तक कोई यात्री सफर करता है या किसी स्टेशन पर रुकता है तो इसके लिए अतिरिक्त किराये का भुगतान करना पड़ता है। नई प्रणाली के लागू होने से यात्रियों को सुविधा होगी कि अपने कार्ड से ही इस राशि का भी भुगतान कर दें। अगर प्रिंटेड टिकट पर सफर करते हैं तो गेट से बाहर निकलने तक इसे संभालकर रखना होगा। अगर सफर के दौरान टिकट गुम हो जाता है तो इसके लिए 50 रुपये का अतिरिक्त भुगतान करना होगा।

फेज-4 के सभी गेट पर होगी एनसीएमसी की सुविधा

दिल्ली मेट्रो के करीब 33 फीसदी मेट्रो गेट पर एनसीएमसी कार्ड का इस्तेमाल कर सकेंगे। इसके लिए करीब 1100 स्टेशनों के एएफसी गेट को एनसीएमसी के इस्तेमाल के लायक बनाया जा रहा है। सामान्य तौर पर सभी स्टेशन के दो गेट पर एनसीएमसी कार्ड के इस्तेमाल की सुविधा होगी ताकि यात्रियों को आवागमन में सहूलियत हो। फेज-4 के सभी मेट्रो स्टेशन पर नई तकनीक से लैस एएफसी गेट लगाए जाएंगे। इसके तीनों कॉरिडोर पर यात्रियों को पहले दिन से ही एनसीएमसी की सुविधा मिलेगी।

सवारियों का आरोप है कि बस चालक शराब के नशे में लग रहा था। प्रतिबंध के बावजूद बस में तेज आवाज में संगीत बज रहा था।

ड्राइवर गुटखे में मिला रहा था तंबाकू, बस से नियंत्रण छूटा और हो गई दुर्घटना... मां-बेटी की मौत

परिवहन विशेष न्यूज

उत्तराखंड में गुटखा खाने के चक्कर में बस के दुर्घटनाग्रस्त होने का मामला सामने आया है। बस चालक की इस लापरवाही ने दो लोगों की जान ले ली। वहीं, ड्राइवर, कंडक्टर समेत 38 लोगों के जीवन पर संकट खड़ा हो गया।

देहरादून: उत्तराखंड में मसूरी-देहरादून हाइवे पर एक्सिडेंट का मामला सामने आया है। इस दुर्घटना का कारण हैरान करने वाला है। तेज गति से बस चला रहे चालक को गुटखे की तलब हुई। उसने गुटखे में तंबाकू मिलाना शुरू किया। इसी दौरान चालक का नियंत्रण बस से छूटा और गाड़ी 250 फीट गहरी खाई में जा गिरी। इस भीषण दुर्घटना में बस में सवार मां-बेटी की मौत हो गई। बस चालक और कंडक्टर समेत 38 यात्री घायल हुए हैं। उत्तराखंड परिवहन की यह बस 80 यात्रियों को लेकर जा रही थी। घायलों में से 9 की स्थिति गंभीर बनी हुई है। उनका इलाज मैक्स अस्पताल में चल रहा है। वहीं, 29 यात्रियों को देहरादून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहां उनका इलाज चल रहा है।

घायल यात्रियों का कहना है कि चालक पान मसाला में तंबाकू मिला रहा था, उसी समय बस का एक्सिडेंट हो गया। ड्राइवर बस से कूद गया। बस ओवरलोड थी। 35 सीटर इस बस में 40 लोग सवार थे। बस एक्सिडेंट का मामला सामने आने के बाद डीएम सोनिका ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए हैं। बस ड्राइवर के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का केस दर्ज किया गया है। राज्य सरकार ने मृतक आश्रितों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

क्या है पूरा मामला?

देहरादून के मैसानिक लॉज बस स्टैंड से रविवार दोपहर 12:00 बजे अब मसूरी के लिए बस निकली थी। करीब साढ़े पांच किलोमीटर सफर पूरा हुआ था, उसी समय शेरगढ़ के पास बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस में सवार यात्रियों के अनुसार, बस चालक रोबिन सिंह काफी तेज गति और लापरवाही से बस चला रहा था। रोबिन सिंह छुटमलपुर, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। कुछ यात्रियों ने लापरवाही वाली ड्राइविंग को लेकर उसे टोका भी, लेकिन रोबिन ने अनसुना कर दिया। शेरगढ़ मोड़ पर चालक बस से नियंत्रण खो बैठा। बस सड़क के किनारे बनी बैरिकेडिंग को तोड़ती हुई खाई में जा गिरी।

सवारियों का आरोप है कि बस चालक शराब के नशे में लग रहा था। प्रतिबंध के बावजूद बस में तेज आवाज में संगीत बज रहा था। हालांकि, आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती है। आईटीबीपी के जवानों के साथ ही मसूरी कोतवाली पुलिस अग्निशमन और एसडीआरएफ की टीम ने स्ट्रेचर और घायलों को खाई से बाहर निकाला।

गंभीर घायलों को मैक्स में कराया गया भर्ती

गंभीर घायलों को देहरादून के मैक्स अस्पताल और दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। अन्य घायलों को उप जिला चिकित्सालय मसूरी ले जाया गया। वहां प्रारंभिक उपचार के बाद उन्हें दून मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मैक्स अस्पताल लाए गए घायलों में बाराकैंची, मसूरी की रहने वाली 40 वर्षीय सुधा लखेरा, पत्नी सुधाकर लखेरा और उनकी 15 वर्षीय बेटी महक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घायलों में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के यात्री भी शामिल है।

मैदानी इलाकों में चलाता था बस

दुर्घटनाग्रस्त बस उत्तराखंड परिवहन निगम में देहरादून-सहारनपुर रूट के लिए रजिस्टर्ड थी। रविवार को मसूरी जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक होने के कारण इसे मसूरी भेजा गया था। चालक को पर्वतीय क्षेत्र में बस चलाने का अनुभव नहीं था। वह मैदानी रूटों पर बस चलाता था। बस में सवार यात्रियों का कहना है कि चालक रोबिन सिंह तेज आवाज में दर्द भरे गाने सुन रहा था। इससे यात्रियों को असुविधा हो रही थी। कुछ यात्रियों ने उसे संगीत बंद करने के लिए कहा, इसे भी उसने अनसुना कर दिया।

इनसाइड

प्रेग्नेंसी में मोबाइल रेडिएशन से दूरी बनाना जरूरी वरना शिशु को हो सकता है मेंटल प्रॉब्लम

अगर गर्भवती महिला के आसपास अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन है, तो उसके पेट में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है. यही नहीं, बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ सकता है. जानें, प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल रेडिएशन से अजन्मे बच्चे के विकास में क्या समस्या आ सकती है और इससे कैसे बचा जा सकता है. हम सभी सुनते आए हैं कि अधिक मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाता है. खासतौर पर प्रेग्नेंट महिला और उसके पेट मे पल रहे बच्चे के लिए ये और भी खतरनाक हो सकता है. प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से पेट में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ता है और इसकी वजह से प्रीमेच्योर डिलीवरी तक हो सकती है. केवल मां ही नहीं, अगर मां के आस पास लोग वायरलेस चीजों का अधिक इस्तेमाल कर रहे है तो इसका भी भ्रूण में पल रहे बच्चे पर खराब असर पड़ सकता है. मॉमजंक्शनमें छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में किए गए शोध में पाया गया है कि अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन में अगर गर्भवती मां रहती है तो जन्म के बाद बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ता है. यही नहीं, इसकी वजह से गर्भ में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है. तो आइए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बच्चे को क्या नुकसान हो सकता है और हम इससे कैसे बच सकते हैं.

वायरलेस डिवाइस कैसे करता है प्रभावित

दरअसल जब हम मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी तरह के वाइफाई या वायरलेस डिवाइस के संपर्क में आते हैं तो इससे हर वक्त इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियो वेव्स निकलते रहते हैं. ये वेव्स हमारे शरीर के डीएनए को डैमेज करने की क्षमता रखते हैं और हमारे शरीर में बन रहे जीवित सेल्स के मोलक्यूल्स को बदल सकते हैं. जिसका असर लॉग टर्म काफी खतरनाक हो सकता है. चूंकि भ्रूण हर वक्त ग्रोथ कर रहा है ऐसे में उसके डीएनए और लीविंग सेल्स आसानी से इसकी चपेट में आ सकते हैं. जिसका दूरगामी असर भी काफी खतरनाक हो सकता है.

क्या कहता है शोध

अलग अलग शोधों में पाया गया कि मोबाइल के इस्तेमाल से बच्चे पर कोई खास असर नहीं पड़ता लेकिन अगर मां और बच्चा 24 घंटे मोबाइल रेडिएशन के बीच हैं तो बच्चे की मेमोरी, ब्रेन ग्रोथ और बिहेवियर में खतरनाक रूप से समस्या आ सकती है. शोधों में यह भी पाया किया गया कि प्री और पोस्ट डिलीवरी के बाद ऐसे बच्चों में हाइपरटेंशन की समस्या हो जाती है जो समय के साथ बढ़ती जाती है. यही नहीं, बच्चे की भाषा, संचार पर भी इसका बुरा असर पड़ता है.

इस तरह करें बचाव

- घर में जहां तक हो सके वाई फाई या ब्लूटूथ उपकरणों का इस्तेमाल कम करें.
- बेहतर होगा अगर आप मोबाइल की बजाय लैंड लाइन फोन का इस्तेमाल करें.
- रेडियो, माइक्रोवेव, एक्सरे मशीन आदि से दूरी बनाएं.
- मोबाइल टावर आदि के आस पास घर ना लें.

गर्भावस्था में मोबाइल के नुकसान

-गर्भवती महिलाओं में रेडिएशन से मस्तिष्क की गतिविधि पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे थकान, चिंता और नींद में रुकावट पैदा होती है.
-गर्भावस्था के दौरान रेडियो वेव्स के लगातार संपर्क से आगे जाकर कैंसर का खतरा बन सकता है.
-मां गर्भावस्था के दौरान फोन का अधिक इस्तेमाल करे या काफी करीबी लोग घर पर इसका इस्तेमाल करें तो बच्चे के व्यवहार में 50 प्रतिशत बदलाव देखने को मिलता है.

-ऐसे बच्चे अधिक एग्रेसिव और हाइपरटेंशन के पेशेंट हो जाते हैं.

8 सेफ्टी टिप्स हैं महिलाओं के लिए बेहद जरूरी, घर से अकेले निकलने पर करें फॉलो, खुद कर सकेंगी अपनी सुरक्षा

सड़क पर पैदल चलते समय हमेशा ट्रैफिक के अपोजिट डायरेक्शन में चलें.
कैब या ऑटो में बैठते समय गाड़ी का नम्बर किसी करीबी को मैसेज करें.
अकेले बाहर निकलने से पहले जरूरी सेफ्टी टूल्स को पर्स में रखना ना भूलें.

ज्यादातर जगहों पर महिलाओं का घर से अकेले निकलना सेफ नहीं होता है. ऐसे में महिलाएं अक्सर अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आती हैं. खासकर शाम के समय महिलाओं के खिलाफ होने वाली घटनाएं काफी बढ़ जाती हैं. ऐसे में अगर आप घर से अकेले निकल रही हैं तो कुछ बातों का खास ख्याल रखकर आप अपनी सुरक्षा आसानी से पुख्ता कर सकती हैं.
घर से अकेले बाहर जाते समय महिलाएं कई बार डरी सहमी महसूस करती हैं. हालांकि, ऐसे में कुछ सेफ्टी टिप्स फॉलो करके आप अपनी सुरक्षा खुद सुनिश्चित कर सकती हैं. आइए जानते हैं महिलाओं से जुड़े कुछ जरूरी सेफ्टी टिप्स के बारे में.

बेस्ट बडी के साथ रहें

अकेले घर से बाहर रहने के दौरान आप अपने भाई, बहन, पिता, पति या दोस्त जैसे किसी बेस्ट बडी को फोन कॉल कर सकती हैं. ऐसे में उन्हें अपने घर पहुंचने का समय और ऑटो या कैब का नम्बर बताकर आप खुद को सेफ रख सकती हैं.

सड़क पर रहें सेफ

अकेले होने पर सड़क के किनारे पैदल चलते समय हमेशा ट्रैफिक के अपोसिट डायरेक्शन में चलें. जिससे ट्रैफिक आपको सामने से आता हुआ दिखाई देगा और पीछे से हमला होने का डर कम रहेगा. वहीं बैग या पर्स को सड़क की बजाए दीवार की तरफ रखें. इसके अलावा किसी के पीछा करने पर आसपास मौजूद घर की कॉल बेल बजाकर मदद मांगे.

सुरक्षा के साथ करें सवारी

कैब बुक करते समय टैक्सी स्टैंड या टैक्सी सर्विस की मदद लें. वहीं ऑटो भी हमेशा प्री पेड बूथ से ही बुक करें. इससे आपके अलावा दूसरों को भी टैक्सी या आटो की जानकारी रहेगी. साथ ही अकेले सफर करते समय खाली बस में बिल्कुल ना चढ़ें.

रास्तों पर रहें सतर्क

अकेले सफर करते समय सूनसान रास्तों से ना गुजरें. ऐसे में जाने पहचाने और भीड़ भाड़ वालों रास्तों पर चलना बेस्ट रहता है. साथ ही रात के समय अंधेरे रास्तों को भी अवॉयड करें और रोशनी वाले मार्ग पर ही सफर करें.

खुद को रखें तैयार

अकेले सफर के दौरान असुरक्षा महसूस होने पर फौरन ऑटो या कैब का नम्बर किसी करीबी को मैसेज करें. इसके अलावा आप गूगल मैप पर आसपास के पुलिस स्टेशन और पीसीआर की लोकेशन भी चेक कर सकती हैं. साथ ही घर के किसी सदस्य या पुलिस चौकी का नम्बर स्पीड डायल में रखें और जरूरत पड़ने पर तुरंत उस नम्बर पर कॉल करें.

पार्टी में बरतें सावधानी

पार्टी में अकेले शिरकत करने के दौरान अंजान लोगों से पर्याप्त दूरी बनाकर रखें. इसके अलावा आसपास के लोगों पर भी नजर रखें और पार्टी में नशीली चीजों का सेवन भूलकर भी ना करें.

ड्राइव करने के टिप्स

अगर आप घर से बाहर अकेले ड्राइव कर रही हैं तो गाड़ी के सभी शीशों और दरवाजों को लॉक कर दें. इसके अलावा म्यूजिक या फोन कॉल में बिजी होने से बचें. इससे आप मुसीबत के दौरान तुरंत सतर्क हो सकती हैं. वहीं रात के समय गाड़ी को बेसमेंट में पार्क ना करें और गाड़ी के पास पहुंच कर पर्स से चाबी निकालने की बाजए चाबी को पहले से हाथ में रखें.

बिज़ी लाइफ में इन तरीकों से महिलाएं निकालें खुद के लिए समय

महिलाओं को खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टस्क हो गया है. महिलाओं को खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टस्क हो गया है.

कामकाजी महिलाओं (Working Women) के ऊपर घर के साथ-साथ ऑफिस की भी जिम्मेदारी होती है. ऐसे में कुछ तरीकों की मदद से वे अपना काम आसान कर सकती हैं और अपने लिए समय बचा सकती हैं ताकि वे अपनी सेहत का भी ध्यान रख सकें.

आजकल के बिजी लाइफस्टाइल में खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टास्क हो गया है. इस समस्या से सबसे अधिक महिलाएं प्रभावित हैं और जो महिलाएं वर्किंग हैं उनके लिए तो खुद के लिए समय निकालना नामुमकिन है. वर्किंग विमेन (Working Women) के ऊपर घर के साथ-साथ ऑफिस की भी जिम्मेदारी होती है. जिसे पूरा करते-करते वे ना तो चैन की सांस ले पाती हैं और ना ही अपनी नींद पूरी कर पाती हैं. ऐसे में स्वास्थ्य पर काफी गहरा असर पड़ता है.
इस समस्या को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि आज के इस आर्टिकल में हम कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं जो आपके बहुत काम आ सकते हैं.

चाबियों पर लगाएं अलग-अलग रंग की नेल पॉलिश

अक्सर जब किसी काम को जल्दी पूरा करना हो या हम जब जल्दी में होते हैं तभी छोटी-छोटी चीजों की वजह से देर होने लगती. ऐसे में आप अपने घर की कई चाबियों को अलग-अलग रंग की नेल पॉलिश से रंग सकते हैं. इससे आपको पर्टिकुलर लॉक के लिए सारी चाबी लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और इससे आप अपने समय की बचत कर सकते हैं.

कंघी करते समय रखें ध्यान

ऑफिस जाते समय जल्दी-जल्दी में बालों को सुलझाने में महिलाएं बालों के साथ खींचतान करने लगते हैं. जिससे बाल अधिक टूटते हैं और नीचे गिर कर काम बढ़ा देते हैं. इससे बचने के लिए अपने हेयर ब्रश में बटर पेपर लगाकर कंघी करें. इससे बाल जल्दी सुलझ जाएंगे और नीचे भी नहीं गिरेंगे.

हेयर स्ट्रेटनर से प्रेस करें

सुबह के समय जल्दी रहे तो आप प्रेस के लिए हेयर स्ट्रेटनर का इस्तेमाल कर सकते हैं. इससे आपके कपड़े जल्दी प्नेस होंगे और आपका समय बच जाएगा.

कम पढ़ी-लिखी महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहे हैं ये ऐप्स

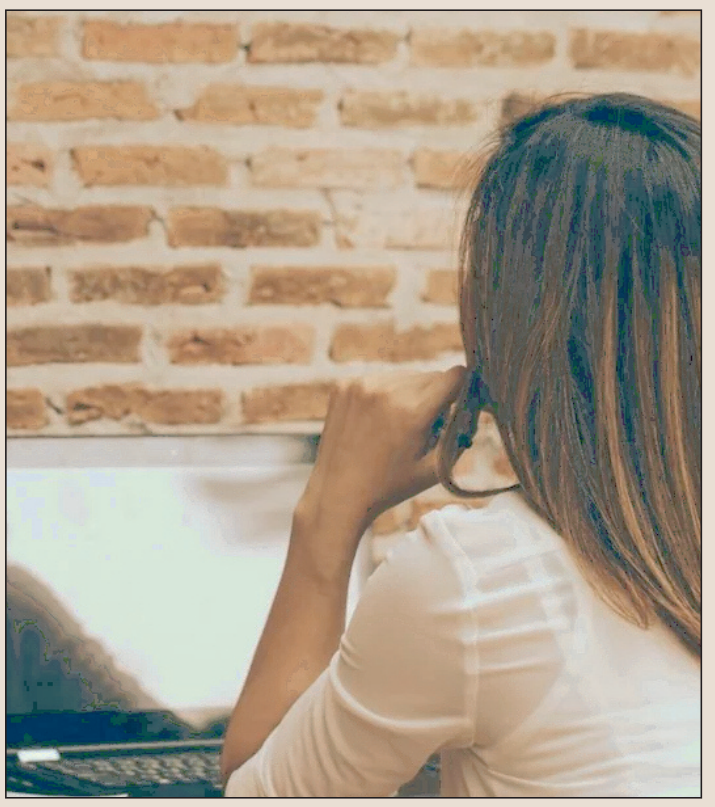

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में इंटरनेट टेक्नोलॉजी सबसे ज्यादा फायदेमंद साबित हुई है.

दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, हैदराबाद, पुणे और अन्य मेट्रो सिटीज में ऐप्स की मदद से आगे बढ़ रही हैं और पैसे भी कमा पा रही हैं. सबसे खास बात यह है कुछ प्लेटफॉर्म्स पर महिलाओं को नौकरी के लिए बहुत ज्यादा फॉर्मल तरीका नहीं अपनाना पड़ता, जिससे उनकी झिझक कम हो जाती है.
अगर आप किसी कारणवश अपनी डिग्री पूरी नहीं कर पाई हैं, या आपने केवल 10वीं या 12वीं तक की ही पढ़ाई की है और आप अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती हैं, इस अब आपको ऐसा मौका मिल सकता है. क्योंकि देश में कई ऐसे मोबाइल ऐप बनाए गए हैं, जो खासरकर महिलाओं को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं. इन ऐप्स के इस्तेमाल से महिलाओं ने 2021 में तरक्की के कई रास्ते खोले और अब 2022 में भी ये उनकी मदद कर रहे हैं. दिल्ली-एनसीआर (**Delhi-NCR**), मुंबई, हैदराबाद, पुणे और अन्य मेट्रो सिटीज में बहुचर्चित 'अपना (**apna**)' ऐप ने महिलाओं के बीच अच्छी पकड़ बनाई है. बीते साल करीब लाखों महिलाओं ने इसका इस्तेमाल कर नौकरी पाई. सबसे खास बात यह है कि इस प्लेटफॉर्म पर महिलाओं को नौकरी के लिए बहुत ज्यादा फॉर्मल तरीका नहीं अपनाना पड़ता, जिससे उनकी झिझक कम हो जाती है.
इन ऐप्स पर सिर्फ अपनी जानकारी डालने के बाद उनके पास जरूरत के हिसाब से नौकरी पाने के ऑफर आते रहते हैं. 12वीं पास महिलाओं ने सबसे ज्यादा टेलीकॉलर, बीपीओ, बैक ऑफिस, रिसेप्शनिस्ट, फ्रंट ऑफिस, टीचर, अकाउंटेंट, एडमिन ऑफिस असिस्टेंट और डाटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी के लिए आवेदन किया है.

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का मजबूत प्लेटफॉर्म

इसी तरह खास महिलाओं के लिए चलाई जा रही सोशल नेटवर्किंग साइट 'शीरोज (**Sheroes**)' भी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में एक मजबूत प्लेटफॉर्म के रूप में सामने आई है. यहां हर उम्र वर्ग की महिलाएं, ऐप या वेबसाइट के माध्यम से जुड़ती हैं. वह नौकरी के अवसर भी तलाशती है, साथ ही अगर वह अपने लेवल पर किसी तरह का बिजनेस कर रही हैं, तो उसे प्रमोट भी करती हैं. बिजनेस वुमेन इसके सहारे अपना नेटवर्क मजबूत कर रही हैं. इस तरह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मोबाइल और इंटरनेट टेक्नोलॉजी सबसे ज्यादा फायदेमंद साबित हुई.

जो महिलाएं मां नहीं बन पातीं, उनमें हार्ट फेल होने का खतरा ज्यादा: नई रिसर्च

महिला को अगर गर्भवती होने के दौरान दिक्कतें आएं या मेनोपॉज़ के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़े तो बाद के सालों में उसे दिल की बीमारी होने का रिस्क बढ़ जाता है.

महिलाओं के प्रजनन इतिहास का उन्हें होने वाली दिल की बीमारी से संबंध होता है. (सांकेतिक तस्वीर) महिलाओं के प्रजनन इतिहास का उन्हें होने वाली दिल की बीमारी से संबंध होता है.

ब्रिटेन में हुई रिसर्च से पता चला है कि जिन औरतों में बांझपन (infertility) की समस्या होती है, उनका हार्ट फेल होने की आशंका 16 फीसदी तक ज्यादा होती है. महिला को गर्भवती होने के दौरान दिक्कतें आएं या मेनोपॉज़ में परेशानी हो तो बाद के सालों में दिल की बीमारी का रिस्क बढ़ जाता है.
प्रेग्नेंसी के दौरान विटामिन A की कमी हो सकती है खतरनाक, जानें यह क्यों जरूरी
प्रेग्नेंसी के दौरान विटामिन A की कमी हो सकती है खतरनाक, जानें यह क्यों जरूरी
लंदन: एक नए शोध से पता चला है कि महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने (infertility) की समस्या का संबंध दिल की बीमारी से भी होता है. ब्रिटेन में हुई रिसर्च के बाद दावा किया गया है कि जिन औरतों में बांझपन यानी इनफर्टिलिटी (infertility) की समस्या होती है, उनका हार्ट फेल होने की आशंका बाकी महिलाओं से 16 फीसदी तक ज्यादा होती है.
अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी जर्नल में छपे इस शोध में कहा गया है कि महिलाओं के प्रजनन इतिहास से काफी हद तक पता चल जाता है कि उन्हें भविष्य में दिल की बीमारी होने का कितना खतरा है. महिला को अगर गर्भवती होने के दौरान दिक्कतें आएं या मेनोपॉज़ के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़े तो बाद के सालों में उसे दिल की बीमारी होने का रिस्क बढ़ जाता है. इस शोध के दौरान दो तरह के हृदयाघात यानी हार्ट फेल होने की स्टडी की गई. पहला preserved ejection fraction के साथ हार्ट अटैक (HFpEF) जिसमें दिल की मांसपेशियां खून पंप करने के बाद पूरी तरह फैल नहीं पातीं. दूसरा हार्ट फेल्योर विद reduced ejection fraction (HFrEF). इसमें बाएं वेंट्रीकल यानी दिल के निचले भाग के कोष से हर धड़कन के बाद जितना खून शरीर में जाना चाहिए, वो नहीं जा पाता. महिलाओं में हार्ट फेल के ज्यादातर मामले HFpEF के ही होते हैं. शोध करने वाली टीम की लीडर और मैसाचूसेट्स जनरल हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एमिली लाउ ने बताया कि रिसर्च के दौरान ये पता लगाने की कोशिश की गई कि महिलाओं में थायरायड या जल्दी मेनॉपॉज़ जैसी समस्याओं का भी क्या प्रजनन क्षमता और दिल की बीमारी से कोई लेना-देना होता है या नहीं. लेकिन इस धारणा को लेकर किसी तरह के पुख्ता सबूत अभी नहीं मिल पाए हैं.
शोधकर्ताओं का कहना है कि अभी तक ये तो पता था कि जिन महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने की समस्या होती है, उनमें हाइपरटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर की बीमारी होने के चांस ज्यादा होते हैं. लेकिन बांझपन का दिल की बीमारी पर असर को लेकर कोई पुख्ता स्टडी नहीं हुई थी. आमतौर पर दिल की बीमारी को 50 साल के बाद की समस्या माना जाता है, जबकि बांझपन उम्र के 20वें, 30वें या 40वें पड़ाव पर आने वाली दिक्कत है. इसलिए इन दोनों के संबंध पर गौर नहीं किया जाता. अब महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने की क्षमता का कुछ नहीं किया जा सकता लेकिन भविष्य का ध्यान तो रखा ही जा सकता है ताकि उन्हें दिल की बीमारियों से बचाया जा सके.

गर्मियों में दिल्लीवासियों को निर्बाध रूप से मिले पानी, सीएम केजरीवाल ने जल बोर्ड से मांगी रिपोर्ट

सीएमओ ने कहा कि दिल्ली में 450 से अधिक स्थानों की पहचान की गई है जहां RO सिस्टम लगाकर जनता को साफ और स्वच्छ पानी देने का प्रबंध किया जाएगा। सीएमओ ने यह भी कहा कि सरकार डीजेबी की सभी योजनाओं के लिए विभिन्न विभागों से जल्द मंजूरी सुनिश्चित करेगी।

सीएम केजरीवाल ने सोमवार को दिल्ली जल बोर्ड के साथ गर्मियों में पानी की सप्लाई समीक्षा बैठक मेंअधिकारियों को पानी की उपलब्धता की दैनिक रिपोर्ट देने के लिए एक योजना तैयार करने का निर्देश दिया है। वहीं एसटीपी के पानी के दोबारा इस्तेमाल की योजना बनाने को भी बोला है।

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को दिल्ली जल बोर्ड के साथ गर्मी के मौसम की तैयारियों की समीक्षा बैठक में पानी की उपलब्धता और सप्लाई की दैनिक रिपोर्ट देने के लिए एक योजना तैयार करने का निर्देश दिया है। दिल्ली जल बोर्ड ने लगभग 1,300 एमजीडी की मांग के मुकाबले दिल्ली के लगभग दो करोड़ निवासियों की खपत और दैनिक जरूरतों के लिए एक दिन में 995 मिलियन गैलन पानी की आपूर्ति करता है। सरकार मार्च 2025 तक राष्ट्रीय राजधानी में पानी की उपलब्धता को बढ़ाकर 1,240 MGD करने पर काम कर रही है।

पानी के दोबारा इस्तेमाल को तैयार करें योजना: केजरीवाल

जल बोर्ड के साथ अपनी इस बैठक की जानकारी दिल्ली मुख्यमंत्री कार्यलय ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर दी है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने अपने ट्वीट में कहा कि सीएम ने जल बोर्ड को एसटीपी के पानी के दोबारा इस्तेमाल की पूरी योजना बनाने और आसपास के पार्कों में भी पानी दिए जाने के निर्देश दिए हैं।

लगाएंगे RO सिस्टम: सीएम

सीएमओ ने कहा कि दिल्ली में 450 से अधिक स्थानों की पहचान की गई है जहां RO सिस्टम लगाकर जनता को साफ और स्वच्छ पानी देने का प्रबंध किया जाएगा। सीएमओ ने यह भी कहा कि सरकार डीजेबी की सभी योजनाओं के लिए विभिन्न विभागों से जल्द मंजूरी सुनिश्चित करेगी। अधिकारियों के अनुसार, सरकार ऐसे क्षेत्रों में भूजल खींचने और आधुनिक आरओ सिस्टम का उपयोग करके इसे साफ करने की योजना बना रही है।

दिल्ली-गुरुग्राम में हवा के साथ बूंदाबांदी शुरू, नोएडा-गाजियाबाद में छाए बादल; कुछ घंटों में तेज बारिश (जागरण ग्राफिक्स)।

दिल्ली-गुरुग्राम में हवा के साथ बूंदाबांदी, नोएडा-गाजियाबाद में छाए बादल; तेज बारिश की संभावना

राजधानी दिल्ली और एनसीआर इलाकों में मौसम का मिजाज एक बार फिर से बदल गया है। राजधानी दिल्ली के कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हो रही है। इसके अलावा मध्यम से तेज गति की हवा भी चल रही है।

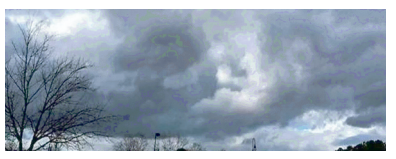

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली और एनसीआर इलाकों में मौसम का मिजाज एक बार फिर से बदल गया है। राजधानी दिल्ली के कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हो रही है। इसके अलावा मध्यम से तेज गति की हवा भी चल रही है। गुरुग्राम में भी हवा चलके के साथ बारिश होने लगी है। नोएडा और गाजियाबाद में बादल छाए हुए हैं। अनुमान है कि यहां कुछ कुछ घंटों में बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से अच्छी प्री मॉनसून बारिश हो रही है। अप्रैल का महीना भी बारिश के साथ ही शुरू हुआ है, जिसमें शहर में 3 मिमी बारिश दर्ज की गई थी।

शाम को बारिश होने की संभावना

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि सोमवार शाम को बारिश हो सकती है। वहीं, दिल्ली के कुछ इलाकों में बूंदाबांदी भी शुरू हो गई है। इसके साथ भी गुरुग्राम में भी बारिश होने लगी है। मंगलवार सुबह भी बारिश की संभावना जताई जा रही है। रात में भी बारिश का पूर्वानुमान है।

दिल्ली में तापनाम 30 डिग्री से. के आसपास सामान्य से नीचे चल रहा है, जो ऐसे ही बने रहने की संभावना है। इसके अलावा, बारिश का दौर अगले 3-4 दिनों तक तापमान को बढ़ने नहीं देगा और लगभग 30-32 डिग्री बना रहेगा।

ताजा पश्चिमी विक्षोभ की वजह से बारिश की गतिविधि बनी हुई है, जो पश्चिमी हिमालय क्षेत्र और इसके प्रेरित चक्रवाती हवाओं के क्षेत्र में है, जो मैदानी इलाकों में है।

इनसाइड

US में खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों के पासपोर्ट रद्द हों', सुप्रीम कोर्ट के वकील ने दी शिकायत

नई दिल्ली। शिकायतकर्ता वकील ने दिल्ली पुलिस से खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दायर कर सख्त कार्रवाई करने की गुजारिश की है। अमेरिका के वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास के बाहर हुए खालिस्तान समर्थक प्रदर्शन के बाद भारत के सर्वोच्च न्यायालय के एक वकील ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दी है। वकील ने अमेरिकी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ शिकायत की है। शिकायतकर्ता वकील ने दिल्ली पुलिस से खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दायर कर सख्त कार्रवाई करने की गुजारिश की है। इस सख्त कार्रवाई में प्रदर्शनकारियों का पासपोर्ट रद्द करने जैसा एक्शन लेने की मांग की गई है। वाशिंगटन स्थित भारतीय पत्रकार ललित झा पर वाशिंगटन, डीसी में खालिस्तान समर्थकों द्वारा शारीरिक रूप से हमला और मौखिक रूप से दुर्व्यवहार किया गया। वह शनिवार दोपहर भारतीय दूतावास के बाहर खालिस्तान समर्थकों के विरोध-प्रदर्शन को कवर कर रहे थे। झा ने रविवार को यूएस सीक्रेट सर्विस को अपनी रक्षा करने और काम करने में मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि खालिस्तान समर्थकों ने उनके बाएं कान पर दो डंडे मारे। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर खालिस्तानी समर्थकों का एक वीडियो भी शेयर किया। झा ने रविवार को ट्वीट किया, मेरी दो दिन सुरक्षा करने और मेरो काम करने में मदद करने के लिए यूएस सीक्रेट सर्विस को धन्यवाद, अन्यथा मैं यह ट्वीट अस्पताल से लिख रहा होता।

समारोह में तेज आवाज में गाना बजाने पर हुआ विवाद, पड़ोसी महिला को मारी गोली

दिल्ली के सिरसपुर डीजे पर तेज आवाज में गाने बजाने को लेकर हुए विवाद में एक शख्स ने महिला को गोली मार दी. महिला की हालत नाजुक बनी हुई है. पुलिस ने मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है.

नई दिल्ली। दिल्ली के सिरसपुर इलाके में सोमवार को एक महिला को उसी के पड़ोसी ने बेरहमी से गोली मार दी। पीड़िता की पहचान रंजू कुमारी के रूप में हुई है, जिसकी उम्र 30 साल बताई जा रही है। पीड़िता का शालीमार बाग के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि रंजू कुमारी को गोली मारने के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि सोमवार रात करीब 12.15 बजे समयपुर बादली थाने में पीसीआर कॉल आई थी कि एक महिला पर फायरिंग की गई है। सूचना पाकर एक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया।

अधिकारी ने आगे कहा, ₹पीड़िता की भाभी की ओर से दिए गए बयान में आरोप है कि उसी कॉलोनी में गली के उस पार रहने वाले हरीश ने रंजू पर गोली चलाई थी।₹ उन्होंने कहा कि रविवार को वहां कुआं पूजन का कार्यक्रम था, जिसमें हरीश का बेटा डीजे पर गाने बजा रहा था।

अमित की बंदूक से चलाई गोली

पुलिस अधिकारी ने कहा कि डीजे की तेज आवाज के कारण रंजू घर के छज्जे से बाहर आई और हरीश से कहा कि वो गाने बंद करवाए। देखते ही देखते दोनों के बीच बवाल शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि हरीश ने अमित नाम के शख्स से बंदूक ली और रंजू पर फायरिंग कर दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हरीश और अमित को गिरफ्तार कर लिया गया है। अभियुक्तों के खिलाफ आर्म्स एक्ट और धारा 307/34 के तहत केस दर्ज किया गया है।

कांग्रेस की यूथ विंग ने लॉन्च किया पोस्टकार्ड अभियान, अदाणी को लेकर PM मोदी से मांगा तीन सवालों का जवाब

अदाणी के मुद्दे को लेकर कांग्रेस पार्टी की बीजेपी को घेरने को कोशिश जारी है। भारतीय युवा कांग्रेस ने सोमवार को देशभर में भारतीय युवा कांग्रेस ने सोमवार को राष्ट्रव्यापी डोर-टू-डोर पोस्टकार्ड अभियान शुरू किया।

नई दिल्ली। अदाणी के मुद्दे को लेकर कांग्रेस पार्टी की बीजेपी को घेरने को कोशिश जारी है। भारतीय युवा कांग्रेस ने सोमवार को देशभर में भारतीय युवा कांग्रेस ने सोमवार को राष्ट्रव्यापी डोर-टू-डोर पोस्टकार्ड अभियान शुरू किया। इस पोस्टकार्ड के जरिए युवा कांग्रेस तीन सवालों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जवाब मांगेगी। **अदाणी को लेकर कांग्रेस ने किया सवाल**

कांग्रेस की तरफ से जारी पोस्टकार्ड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अदाणी को लेकर सवाल किया गया है कि अदाणी द्वारा भाजपा को कितना फंड दिया गया है ?₹ भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और संगठन के दिल्ली प्रभारी कोको पाधी ने कहा, ₹अभियान पूरे देश में शुरू किया गया है। यह एक डोर-टू-डोर अभियान होगा, जहां हम लोगों तक पहुंचेंगे।₹ उन्होंने आगे कहा कि हम ये पोस्टकार्ड प्रधानमंत्री को भेजेंगे।₹

राहुल 2019 के मानहानि केस में दोषी

यह अभियान कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 2019 के आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद लोकसभा से अयोग्य ठहराए जाने के कुछ दिनों बाद आया है। गांधी अपनी दोषसिद्धि के खिलाफ अदालत में अपील दायर करने के लिए सोमवार को गुजरात के सूरत में रहेंगे।

दिल्ली में प्लास्टिक के थैले में मिली युवक की लाश, सिर पर चोट के निशान; जांच में जुटी पुलिस

एक शव प्लास्टिक बैग में पड़ा मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर केस दर्ज कर लिया है। शव के शिनाख्त के लिए पुलिस ने काफी कोशिश की। सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपित की तलाश की जा रही है।

नई दिल्ली। दिल्ली के राजधानी मेडिकोज चिनोट बस्ती में एक शव प्लास्टिक बैग में पड़ा मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर केस दर्ज कर लिया है। शव के शिनाख्त के लिए पुलिस ने काफी कोशिश की। युवक की हत्या की आशंका जताई जा रही है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपित की तलाश की जा रही है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि सोमवार को सुबह करीब 7 बजकर 27 मिनट पर थाना नबी करीम में राजधानी मेडिकोज चिनोट बस्ती में प्लास्टिक बैग में शव पड़े होने के संबंध में पीसीआर कॉल आई। एसएचओ स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे तो देखा कि करीब 30/35 साल के एक युवक की लाश प्लास्टिक की थैली में बंद पड़ी थी, जिसके सिर पर चोट के निशान थे। मृतक की शिनाख्त के काफी प्रयास किए गए, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। मौका मुआयना करने पर गली नंबर 10, मुल्तानी ढांडा ढांड के अंदर खून के धब्बे मिले, जो शरीर को घसीटने के कारण हुआ था। प्राथमिक जांच में अपराध स्थल से लगभग 80 मीटर की दूरी पर स्थित एक घर में रहने वाले एक व्यक्ति पर संदेह हुआ, लेकिन वह फरार था। शव को पोस्टमार्टम के लिए डॉ. आरएमएल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है। पुलिस ने धारा 302/201 के तहत नबी करीम थाने में केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच में जुटी है। बताया गया कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और मृतक की शिनाख्त व आरोपित की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

'...समुद्र में बूंद जैसी है 1600 करोड़ की राशि'

केजरीवाल की पीएम को चिट्ठी: 'सर रेलवे में बुजुर्ग कोटा जारी रखने से केंद्र गरीब नहीं बन जाएगा

परिवहन विशेष न्यूज

कुछ समय से केंद्र सरकार ने बुजुर्गों को रेल यात्रा पर मिलने वाला कोटा खत्म कर दिया है जिसे बहाल करने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखते हुए बड़ी अपील की है। उन्होंने रेलवे में दिए जाने वाले बुजुर्ग कोटा को फिर से बहाल करने की विनती की है।

केजरीवाल ने चिट्ठी ट्वीट करते हुए लिखा, 'रेल में बुजुर्गों को मिलने वाली रियायत को कृपया बंद ना कीजिए। इस रियायत से करोड़ों बुजुर्गों को फायदा हो रहा है।'

चिट्ठी में लिखीं ये बातें

आदरणीय प्रधानमंत्री जी,

देश के बुजुर्गों को पिछले कई सालों से रेल यात्रा में 50% तक की छूट मिल रही थी। इसका लाभ देश के करोड़ों बुजुर्गों को मिल रहा था। आपकी सरकार ने इस छूट को समाप्त कर दिया, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। पिछले दिनों लोकसभा में आपकी सरकार ने बताया कि रेल यात्रा में बुजुगों को दी जा रही छूट को बंद करने से सालाना 1600 करोड़ रुपयों की बचत हो रही है।

कई बार हमें अहंकार हो जाता है कि हमें जो कुछ जिंदगी में मिला वो केवल हमारी मेहनत का नतीजा है। ऐसा नहीं है। हमारी तरक्की में हमारे बुजुर्गों का आशीर्वाद होता है। बिना उनके आशीर्वाद के कोई व्यक्ति, कोई समाज या कोई देश तरक्की कर ही. नहीं सकता।

जैसे दिल्ली में हम बुजुर्गों को उनके पसंद के तीर्थ स्थल की फ्री यात्रा करवाने ले जाते हैं। उनका आना, जाना, वहां रहना, खाना पीना सब कुछ सरकार देती है। इस से बुजुर्गों को असीम खुशी मिलती है। वो दिल की गहराइयों से हमें आशीर्वाद देते हैं। आज दिल्ली हर क्षेत्र में खूब तरक्की कर रही है। उसका कारण इन बुजुर्गों का आशीर्वाद है।

'...समुद्र में बूंद जैसी है 1600 करोड़ की राशि'

सर बात पैसे की नहीं है। बात नीयत की है। दिल्ली सरकार अपने 70,000 करोड़ के बजट में से बुजुगों की तीर्थ यात्रा पर अगर 50 करोड़ खर्च कर देती है तो दिल्ली सरकार कोई गरीब नहीं हो जाती। आने वाले साल में केंद्र सरकार 45 लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसमें बुजुगों की रेल यात्रा में छूट पर मात्र 1600 करोड़ खर्च होते हैं। ये राशि समुद्र में एक बूंद जैसे है। इसके खर्च ना करने से कोई केंद्र सरकार अमीर नहीं हो जाएगी और इसके खर्च करने से केंद्र सरकार गरीब नहीं हो जायेगी। लेकिन जब इसे रोका जाता है तो हम एक तरह से अपने बुजुर्गों को संदेश दे रहे हैं कि हम आपकी परवाह नहीं करते। ये बहुत गलत है। ये भारतीय संस्कृति के खिलाफ है।

मैंने कई बुजुगों से बात की। रेल यात्रा में दी जा रही यह छोटी सी रियायत उनके लिए बड़ा मायने रखती है। अतः मेरी आपसे विनती है कि बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए जल्द से जल्द इस रियायत को बहाल करने का कष्ट करें।

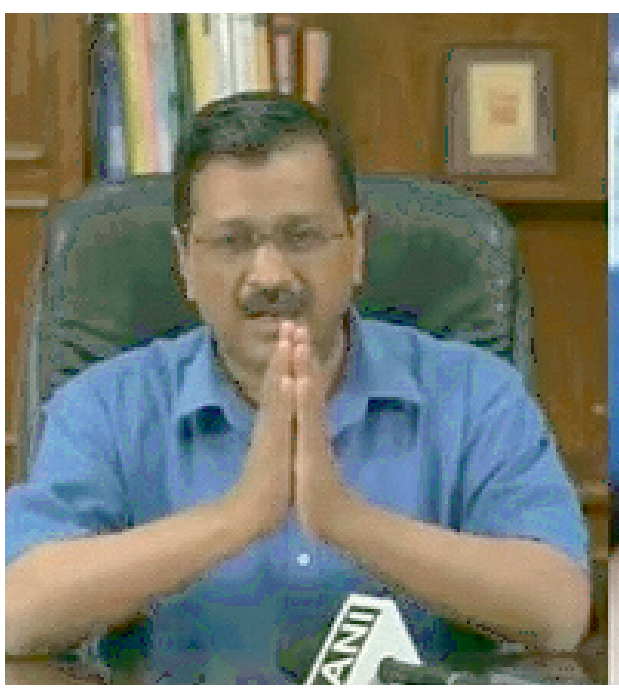

मेट्रो स्टेशन पर चार कारतूस के साथ बीटेक छात्र को CISF ने पकड़ा

मेरठ के कॉलेज से आया था दिल्ली

परिवहन विशेष संवाददाता

गाजियाबाद। कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहननगर मेट्रो स्टेशन पर रविवार को बीटेक छात्र को चार कारतूस के साथ सीआईएसएफ के जवान ने पकड़ा। आरोपित को साहिबाबाद पुलिस के हवाले कर दिया गया। सीआईएसएफ के उपनिरीक्षक की ओर से उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

सीआईएसएफ के उपनिरीक्षक अमरपाल सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि रविवार की सुबह करीब 09:30 बजे एक यात्री डाकघर जानी ग्राम सोहरका जिला मेरठ का गौतम सिंह मोहन नगर मेट्रो स्टेशन से मुखर्जी नगर नई दिल्ली जाने के लिए मेट्रो पकड़ने आया था।

युवक के पास नहीं था कोई हथियार

मोहन नगर मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर दो पर बैग स्कैनिंग मशीन में जांच के लिए बैग रखा। यात्री के बैग में चार कारतूसी के आकार की आकृति मॉनिटर पर दिखी। बैग खोलकर देखा तो कारतूस मिले। उसने बताया कि उसके पास न तो हथियार है और न ही कोई लाइसेंस है। उसे साहिबाबाद कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया।

पुलिस पूछताछ में आरोपित गौतम ने बताया कि वह मेरठ के एक कॉलेज से बीटेक कर रहा है। वह अपने दोस्त के साथ दिल्ली जा रहा था। उसने चेकिंग से पहले बैग उसे दे दिया और बाथरूम करके आने की बात कहकर चला गया। चेकिंग के लिए उसने बैग मशीन में रखा तो वह पकड़ा गया। उसे कारतूस के संबंध में कोई जानकारी नहीं है।

पुलिस कर रही है दोस्त की तलाश

आरोपित से जानकारी कर पुलिस उसके दोस्त की तलाश में जुट गई है। पुलिस आरोपित के मोबाइल नंबर की सीडीआर खंगाल रही है। साथ ही उसके दोस्त की लोकेशन व आपराधिक इतिहास निकलवा रही है। आपराधिक इतिहास निकलवाने के लिए साहिबाबाद कोतवाली पुलिस ने मेरठ पुलिस से भी संपर्क किया है।

सीआइएसएफ ने कारतूस के साथ एक आरोपित को पकड़कर साहिबाबाद पुलिस को दिया था। रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित से पूछताछ की जा रही है। विवेक चंद यादव, पुलिस उपायुक्त, ट्रांस हिंडन।

15 हजार वेतन पाने वाले आपरेटर ने किया था 67 करोड़ लोगों का डाटा लीक, एक साल में 81 मामले आए सामने

ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स अमेजन प्राइम का आनलाइन सब्सक्रिप्शन लेकर फिल्म देखने वाले लोग भी ठगों के रडार पर। लीक डाटा की 135 अलग-अलग कैटेगिरी में बनाई गई सूची सेना के दो लाख 55 हजार लोगों का डाटा अब तक हो चुका है लीक

ग्रेटर नोएडा। देश के 67 करोड़ लोगों का डाटा लीक हो चुका है। यह डाटा साइबर ठगों के हाथ लग गया है। यदि आप आनलाइन बैंकिंग, कैब का प्रयोग, ओटीटी प्लेटफार्म पर फिल्म, आनलाइन बैंकिंग, पेटीएम, जोमेटो का प्रयोग करते है तो सावधान हो जाइए। हैरानी की बात यह है कि 67 करोड़ लोगों का डाटा 15 हजार का वेतन पाने वाले आपरेटर सोहेल व मदन ने लीक किया है।

इंस्पायरवेब्ज वेबसाइट पंजीकृत कराकर डाटा बेचने का किया काम

यह जानकारी तेलंगाना की साइबराबाद पुलिस को डाटा लीक करने के आरोप में पकड़े गए व्यक्ति विनय भारद्वाज से पता चली है। विनय को डाटा सोहेल व मदन ने उपलब्ध कराया था। सोहेल व मदन बैंक में क्रेडिट कार्ड बनवाने समेत कई अन्य कंपनियों में डाटा एंट्री आपरेटर का काम कर चुके है।

सोहेल व मदन से डाटा लेकर विनय ने हरियाणा के फरीदाबाद के पते पर इंस्पायरवेब्ज वेबसाइट पंजीकृत कराकर डाटा बेचने का काम किया है। डाटा खरीदने के लिए पिछले 48 घंटे में हर 38 सेकेंड पर गूगल पर इंस्पायरवेब्ज वेबसाइट को सर्च किया गया है।

दरअसल, तेलंगाना की साइबराबाद पुलिस ने शनिवार को दिल्ली-एनसीआर समेत देश के 24 राज्यों के 67 करोड़ों लोगों का डाटा चुराने वाले आरोपित विनय भारद्वाज को गिरफ्तार किया। तेलंगाना पुलिस ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा की गुरुग्राम व फरीदाबाद पुलिस से संपर्क कर जानकारी दी है कि पकड़े गए आरोपित विनय भारद्वाज के पास निजी कंपनियों के अलावा भारतीय सेना, परिवहन, जीएसटी समेत कई अन्य सरकारी विभागों का डाटा मिला है। इसका सबसे बड़ा कारण अस्थाई कर्मचारियों द्वारा बैंक व सरकारी संस्थानों में बतौर आपरेटर के रूप में नौकरी करना है।

हर कंपनी व विभाग थर्ड वेंडर को डाटा सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी देता है। 15 हजार का वेतन पाने वाला आपरेटर ने करोड़ों का डाटा लीक कर दिया। चंद रुपयों के लालच में डाटा साइबर फ्राड करने वाले लोगों को बेचा जा रहा है। जांच में डाटा लीक की 135 कैटेगिरी में बनाई गई सूची मिली है। डाक्टर, इंजीनियर, रियल स्टेट, सेना सबको अलग-अलग कैटेगिरी में रखा गया है। एनआरआइ लोगों का डाटा भी आरोपित के पास मिला है।

एसटीएफ ने आरबीआइ को लिखा पत्र

ऐसा पहली बार नहीं है कि डाटा लीक के मामले में देश में किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पूर्व में भी कार्रवाई हुई है। नोएडा एसटीएफ डाटा लीक के मामले में आरबीआइ को पत्र लिख चुकी है। पत्र में नोएडा व फरीदाबाद को डाटा चोरी के मामले में बेस बताया गया है। दोनों जगह एक हजार से अधिक कंपनियों का डाटा अब तक चोरी हो चुका है। पिछले दिनों नोएडा में ही 16 करोड़ लोगों के डाटा चोरी का मामला प्रकाश में आया था। इस पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कानून बनाने की जरूरत है। डाटा चोरी के मामले में महज 420 की धारा लगती है जिसमें आरोपित को जल्द जमानत मिल जाती है।

छात्र, इंजीनियर, प्रबंधक व सैलरी वाले कर्मचारी भी शामिल

जिन लोगों का डाटा लीक हुआ है उसमें दसवीं, 12वीं, बीटेक, नीट, कैट, एमटेक के छात्र व सैलरी वाले कर्मचारी जैसे इंजीनियर व प्रबंधक भी शामिल है। डाक्टरों का डाटा भी आरोपित के पास मिला है। इनकी कुल संख्या साढ़े चार लाख के करीब है।

यह है सबसे ज्यादा घातक

क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, इंश्योरेंस, लोन के नाम पर सबसे ज्यादा ठगी देश में हुई है।

फरीदाबाद से पहली बार हुई गिरफ्तारी

पुलिस की साइबर शाखा के नोडल अधिकारी नितिश अग्रवाल के अनुसार फरीदाबाद से डाटा चोरी के मामले में पिछले तीन सालों में पहली बार किसी की गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने बताया कि डाटा चोरी रोकने के लिए हर मुकदमे में यह देखा जाता है कि डाटा कहां से लीक हुआ। जिस कंपनी का डाटा लीक हुआ होता है, उसके अधिकारियों को बुलाकर बताया जाता है कि आपके साफ्टवेयर या एप में कहां कमी है, जिसकी वजह से डाटा चोरी हो रहा है।

महिला की हत्या कर शव को दफनाने वाला चौथा आरोपी गिरफ्तार, पति के अवैध संबंध का विरोध करती थी सरिता

डेरी कामबक्सपुर गांव में महिला सरिता की हत्या के मामले में अब तक चार आरोपित गिरफ्तार हो चुके हैं। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के तुस्याना गांव के रहने वाले हरिओम ने अपनी बेटी सरिता की शादी 16 फरवरी 2015 को डेरी कामबक्सपुर गांव के रहने वाले जोगिंदर से की थी। ग्रेटर नोएडा, जागरण संवाददाता। नालेज पार्क कोतवाली क्षेत्र स्थित डेरी कामबक्सपुर गांव में महिला सरिता की गला दबाकर हत्या करने वाले चौथे आरोपित भूपेंद्र को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। भूपेंद्र सरिता का जेठ है। आरोपित ने भाई जोगिंद्र के साथ मिलकर सरिता की हत्या की थी और शव को घर से 100 मीटर की दूरी पर गड्ढे में दफना दिया था। जांच में पता चला है कि घटना के बाद सरिता के शव को भूपेंद्र की कंधे पर रखकर 100 मीटर तक ले गया था। आधा गड्ढा उसने व आधा जोगिंद्र ने खोदा था। मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने के बाद आरोपित को जेल भेज दिया गया है। बता दें कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट के तुस्याना गांव के रहने वाले हरिओम ने अपनी बेटी सरिता की शादी 16 फरवरी 2015 को डेरी कामबक्सपुर गांव के रहने वाले जोगिंदर से की थी। शादी के बाद से ही अतिरिक्त दहेज की मांग की गई। जोगिंदर के भाभी से अवैध संबंध बन गए थे। इसका सरिता विरोध करती थी। आठ मार्च को होली वाली रात सरिता लापता हो गई। नौ मार्च को जोगिंदर ने नालेज पार्क कोतवाली में तहरीर दी कि उसकी पत्नी सरिता आठ मार्च शाम से लापता है। 15 मार्च को सरिता के भाई नरेंद्र की तहरीर पर ससुराल पक्ष पर दहेज मांगने, उत्पीड़न करने की धारा में पति जोगिंद्र, सास संता, जेठ भूपेंद्र, जेठानी ऊषा, चचिया ससुर विजयपाल, ननदोई मनोज, विनोद के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ।

425 फैक्ट्रियों के लिए चलेगा दूसरा सीईटीपी तो खुलेगी 55 फैक्ट्रियों की सील

सालों से बंद पड़े 1.8 एमएलडी के सीईटीपी को 425 फैक्ट्रियों के लिए संचालित किया जाएगा। इसके बाद ही 55 रंगाई की फैक्ट्रियों पर लगी सील हटेगी। ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र में कुल 480 औद्योगिक इकाइयां हैं।

गाजियाबाद। लोनी के ट्रानिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र सील की गईं 55 रंगाई फैक्ट्रियों के संचालन के लिए उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) दो कामन इनफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) चलाएगा। सालों से बंद पड़े 1.8 एमएलडी के सीईटीपी को 425 फैक्ट्रियों के लिए संचालित किया जाएगा। इसके बाद ही 55 रंगाई की फैक्ट्रियों पर लगी सील हटेगी। इसका एक्शन प्लान यूपीसीडा ने नेशनल मिशन फार क्लीन गंगा (एनएमसीजी) को दिया है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जल्द ही एक्शन प्लान की सतही जांच करेगा।

यूपीसीड़ा ने 10 साल पहले ही ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र में 1.8 एमएलडी का सीईटीपी बनाया था। ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र में कुल 480 औद्योगिक इकाइयां हैं। इसमें 55 रंगाई फैक्ट्रियां हैं। 1.8 एमएलडी का सीईटीपी की क्षमता कम होने के कारण राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने इसे बंद करा दिया था।

यूपीसीडा ने दोबारा छह एमएलडी का एसटीपी बनाया, जिसे 4.8 एमएलडी की क्षमता पर चलाया जाता है। 55 रंगाई फैक्ट्रियों से ही इस एसटीपी के संचालन का खर्च लिया जाता था लेकिन अन्य 425 फैक्ट्रियों के सीवर का पानी भी छह एमएलडी के एसटीपी में आता था। क्षमता से ज्यादा पानी आने के कारण सीईटीपी सही से काम नहीं कर रहा था। इससे जल प्रदूषण हो रहा था।

सीईटीपी में खामियों से सील हैं 55 फैक्ट्रियां

बीते वर्ष जुलाई में एनएमसीजी की टीम ने सीईटीपी का निरीक्षण किया तो 29 खामियां मिलीं। सीईटीपी की कई खामियों को ठीक कर 27 -27 रंगाई फैक्ट्रियों को वैकल्पिक दिन पर चलाया जा रहा था। बीती 20 फरवरी को एनएमसीजी के आदेश पर सभी 55 रंगाई फैक्ट्रियों को सील कर बिजली व पानी कनेक्शन काट दिया गया, हालांकि 45 फैक्ट्रियां ही चल रहीं थी। एनएमसीजी ने बैठक कर यूपीसीडा से सीईटीपी ठीक करने का एक्शन प्लान मांगा था।

बंद सीईटीपी चालू किया जाएगा

यूपीसीडा के अधिकारियों ने एनएमसीजी को दिए एक्शन प्लान में कहा है कि 1.8 एमएलडी के सीईटीपी को दोबारा चलाया जाएगा। इसमें जल प्रदूषण न फैलाने वाली 425 फैक्ट्रियों से निकलने वाले सीवर को शोधित किया जाएगा। फैक्ट्री संचालकों से पैसा लिया जाएगा। छह एमएलडी के सीईटीपी को जल प्रदूषण करने वाली 55 रंगाई फैक्ट्रियों के लिए चलाया जाएगा।

यूपीपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी उत्सव शर्मा ने बताया कि यूपीपीडा ने जो एक्शन प्लान दिया है। उसकी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की उत्तर प्रदेश और केंद्र की टीम मौके पर जाकर जांच करेगी कि एक्शन प्लान पर काम हो पाएगा या नहीं। यदि काम हुआ तो जल प्रदूषण रुकेगा या नहीं।

साइबर अपराधियों से सावधान: गाजियाबाद में OLX पर सक्रिय हैं ठगी करने वाले, एक साल में 209 लोगों को बनाया निशाना

यदि आप ओएलएक्स (OLX) की साइट पर जाकर सामान बेचने व खरीदने की सोच रहे हैं तो सावधान हो जाइये। जिले में वर्तमान में ओएलएक्स के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह सक्रिय है। पिछले एक वर्ष में गिरोह के ठग 209 लोगों को ठग चुके हैं।

गाजियाबाद। यदि आप ओएलएक्स (OLX) की साइट पर जाकर सामान बेचने व खरीदने की सोच रहे हैं तो सावधान हो जाइये। जिले में वर्तमान में ओएलएक्स के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह सक्रिय है। पिछले एक वर्ष में गिरोह के ठग 209 लोगों को ठग चुके हैं। पीड़ित लोगों ने विभिन्न थानों में आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

अधिकांश मामलों में सामान खरीदने व बेचने के नाम पर भुगतान के लिए लिंक भेजकर व क्यूआर कोड स्कैन कर ठगी की गई। इसके अलावा कई मामले ऐसे भी आए कि सामान बेचने के नाम पर ठगों ने पैसे ले लिया और न तो सामान दिया और न ही पैसे वापस किए।

पुलिस मामलों में जांच का आश्वासन दे रही है। ऐसे एक भी मामले में पुलिस ठगों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। पुलिस सिर्फ कार्रवाई के नाम पर जांच करने की बात कहने तक सीमित है।

वर्ष 2022 में ओएलएक्स पर हुई ठगी

जनवरी - 15
फरवरी - 10
मार्च - 17
अप्रैल - 12
मई - 15
जून - 18
जुलाई - 14
अगस्त - 16
सितंबर - 14
अक्टूबर - 19
नवंबर - 22
दिसंबर - 37
कुल - 209

पूर्व में हुई वारदात

ओएलएक्स पर एसी खरीदने के नाम पर ठगे 34 हजार रुपयेनंदग्राम थाना क्षेत्र के राजनगर एक्सटेंशन के रहने वाले सीता राम गर्ग ने ओएलएक्स पर एसी बेचने का विज्ञापन डाला। ठगों ने एसी खरीदने के नाम पर उनके मोबाइल फोन पर लिंक भेजकर 34 हजार रुपये निकाल लिए। आरोपितों ने भुगतान करने के लिए उनके पास लिंक भेजा था।

विज्ञापन डालकर बेच दी चोरी की स्कूटी

सिहानी गेट थाना क्षेत्र के नासिरपुर के पास एक आरोपित ने संजयनगर के मोहम्मद जावेद को ओएलएक्स पर विज्ञापन डालकर चोरी की स्कूटी बेच दी। जब उन्होंने स्कूटी ट्रांसफर कराने के लिए कहा तो आरोपित ने नंबर ब्लाक कर दिया। बाद में स्कूटी चोरी का पता चलने के बाद पीड़ित ने स्कूटी को दस्तावेजों के साथ थाने में जमा करा दिया।

नेवी के अफसर से कार बेचने के नाम पर साढ़े 29 हजार की ठगी

विजयनगर थाना क्षेत्र के सिद्धार्थ विहार के नेवी अफसर सत्यवीर सिंह से ओएलएक्स पर कार बेचने के नाम पर ठगों ने साढ़े 29 हजार रुपये ठग लिए। आरोपितों ने खुद को फौजी बताते हुए ठगी की इस वारदात को अंजाम दिया। उन्होंने पीड़ित अफसर से सिक्योरिटी जमा कराने और कुरियर कंपनी की फीस के नाम पर ठगी की।

ओएलएक्स पर पूर्व में हुई ठगी की घटनाओं का अध्ययन किया जा रहा है। जल्द ही ऐसे गिरोह को चिह्नित कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लोगों को ठगों से सावधान रहने और आनलाइन ट्रांजक्शन के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। -सच्चिदानंद, एडीसीपी क्राइम

पिता की डांट से बचने के लिए दी थी लूट की सूचना

साहिबाबाद। लोनी-भोपुरा रोड पर बृहस्पतिवार रात 11:30 बजे दीपक उनियाल ने शराब के नशे में पिता की डांट से बचने के लिए पुलिस को लूट की झूठी सूचना दी थी। टीलामोड़ पुलिस ने सर्विलांस की मदद से फोन और लैपटॉप डीएलएफ से बरामद कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ झूठी सूचना देने पर धारा 182 के तहत कार्रवाई की है। दीपक ने पुलिस को शपथ पत्र देकर माफी मांगी है।

इंद्रप्रस्थ कालोनी निवासी दीपक उनियाल दिल्ली की एक विज्ञापन कंपनी में मीडिया प्लानर के पद पर काम करता है। बृहस्पतिवार रात उसने पुलिस को झूठी सूचना दी कि वह 11:30 बजे ड्यूटी से घर लौट रहे था। डीएलएफ कालोनी के पास ऑटो में बैठने पर उसमें चालक समेत तीन बदमाशों ने कोयल एंक्लेव के पास पहुंचकर उसे रुमाल में नशीला पदार्थ सुंघाकर बेसुध करने का प्रयास किया। विरोध करने पर बदमाशों ने नीचे गिराकर पीटा फिर टीला मोड़ थाने के पास चलते ऑटो से सड़क किनारे फेंक दिया।

रात ढाई बजे पिता ने उसे सड़क से उठाकर अस्पताल पहुंचाया था। टीला मोड़

पुलिस ने लूट का मुकदमा लिखकर जांच की तो वादी दीपक उनियाल अपने झूठ में फंसता चला गया। एसीपी भास्कर वर्मा का कहना है कि शुरुआत में वह घटना की जानकरी देने से बचने लगा। टीम ने सर्विलांस की मदद से उसके फोन की लोकेशन निकाली तो फोन डीएलएफ में कहीं छूट गया था। पुलिस ने वहीं से लैपटॉप व पर्स भी बरामद किया।

इसके बाद पुलिस ने उससे सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपना झूठ कबूल कर लिया। एसीपी का कहना है कि आरोपी पक्ष ने एक शपथ पत्र देकर कानूनी कार्रवाई करने से इनकार किया और माफी भी मांगी है। इसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा खारिज रिपोर्ट कोर्ट में भेज दी है।

RSS के प्रचार प्रमुख बोले- हिंदू विचारधारा से होगा विश्व का कल्याण, 3 बार संघ को प्रतिबंधित करने का हुआ प्रयास

आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुरेश चंद्र ने कहा कि अफगानिस्तान जैसे देश में मुस्लिम अपने ही लोगों की हत्या कर रहे हैं। हिंदू विचारधारा से ही विश्व का कल्याण होगा। सुरेश चंद्र ने कहा कि संघ किसी धर्म का विरोध नहीं करता है।

साहिबाबाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हरनंदी महानगर मेरठ प्रांत की ओर से रविवार को इंदिरापुरम के कनावनी में शारीरिक प्रधान कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान मुख्य अतिथि आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुरेश चंद्र ने कहा कि अफगानिस्तान जैसे देश में मुस्लिम अपने ही लोगों की हत्या कर रहे हैं। हिंदू विचारधारा से ही विश्व का कल्याण होगा।

संघ किसी धर्म का विरोध नहीं करता

लोगों को संबोधित करते हुए सुरेश चंद्र ने कहा कि संघ किसी धर्म का विरोध नहीं करता है। संघ स्पष्ट विचारधारा वाला है। हिंदू विचार ही सबका कल्याणकारी है। हिंदू धर्म कहता है जहां जन्म हुआ, जिस धर्म में जन्म हुआ उस देश और धर्म की उन्नति करो। हिंदू धर्म किसी दूसरे धर्म को नष्ट करने को नहीं कहता है। आज विश्व में हिंदू धर्म शक्तिशाली हो रहा है। इससे ही विश्व का कल्याण होगा।

उन्होंने कहा कि क्षत्रपति शिवाजी महाराज के सैनिकों ने जंग जीती तो दुश्मनों की औरतों को भी ले आए। शिवाजी महाराज ने कहा कि जब यही करना था तो हममें और उनमें क्या अंतर है। पराई स्त्री मां - बहन के समान होती है। उन्होंने ससम्मान सभी औरतों को वापस भेज दिया था। पूर्वजों से हमें यह सीख मिली है। विश्व में हिंदू विचारधारा शक्तिशाली हो रही है। इससे कल्याण होगा। उन्होंने कहा कि अधूरे तत्व ज्ञान के अहंकार के कारण आतंकवाद पैदा होता है। यूक्रेन और रसिया अहंकार की लड़ाई लड़ रहे हैं।

3 बार संघ को प्रतिबंधित करने का हुआ प्रयास

सुरेश चंद्र ने कहा कि संघ 1925 से काम कर रहा है। पहले बार सन 1948, दूसरी बार 1975 में संग पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास किया गया लेकिन संघ निर्दोष साबित हुआ। सन 1992 में विवादित ढ़ांचे को ढहाने में संघ पर आरोप लगाए गए। इसमें भी निर्दोष साबित हुआ। संघ किसी धर्म का विरोधी नहीं है। देश

सेवा में स्वयंसेवक सभी के लिए काम करते हैं। यहां कोई अमीर गरीब नहीं है। उन्होंने विश्व कल्याण के लिए मां भरती की सेवा करने वालों को संघ से जुड़ने की अपील की और मनोबल बढ़ाया।

स्वयंसेवकों ने दी गौरवपूर्ण प्रस्तुति

कदम कदम मिलाए जा खुशी के गीत गाए जा, ये जिंदगी है तू कौम पे लुटाए जा... जैसे गीत के बैंड धुन पर शारीरिक प्रधान कार्यक्रम में 250 स्वयं सेवकों ने कदमताल का अदम्य प्रदर्शन किया। हरनंदी महानगर के शाखाओं से पहुंचे स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में दंड प्रहार,पद विन्यास, कराटे, यष्टी से मार करने, सामूहिक समता, विभिन्न खेल व योगा आदि का प्रदर्शन किया। इस दौरान दर्शक अपनी मोबाइल में वीडियो बनाते व तालियां बजाते दिखे। प्रार्थना के दौरान पुस्ता रोड के राहगीर भी किनारे खड़े होकर प्रार्थना करते दिखा। सुरक्षा में भारी पुलिसबल तैनात रहा। कार्यक्रम में केंद्रीय परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग राज्यमंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह, संघ के हरनंदी महानगर के संघ चालक प्रदीप, सुशील, विनोद, राम वरुण, देवेंद्र, अखिलेश, रोहित, आशीष व अन्य मौजूद रहे।

किया की गाड़ियों में हुए कई अपडेट , अब कितना बदल जाएगा आपका ड्राइविंग एक्सपीरिएंस

किआ ने अपने 2023 लाइन-अप को RDE-कंप्लेंट अनुरूप पेट्रोल और डीजल इंजन के साथ अपडेट किया है। बाद वाले को 6-स्पीड मैनुअल के साथ पेश किया जाता था जिसे तीनों मॉडलों में 6-स्पीड iMT से बदल दिया गया है।

किआ ने अपनी इंटेलिजेंट मैनुअल ट्रांसमिशन (iMT) पेशकशों से संबंधित बड़े बदलाव किए हैं। क्लचलेस मैनुअल गियरबॉक्स अब Kia Seltos, Sonet और Carens के सभी डीजल वेरिएंट में स्टैंडर्ड रूप से दिया जाएगा। यह 1 अप्रैल2023 से टर्बो-पेट्रोल वेरिएंट पर भी उपलब्ध है। RDE- कंप्लेंट 2023 Kia Seltos, Sonet और Carens को अब स्टैंडर्ड के तौर पर 6iMT वेरिएंट में अपग्रेड किया जाएगा।

किआ ने अपने 2023 लाइन-अप को RDE- कंप्लेंट अनुरूप पेट्रोल और डीजल इंजन के साथ अपडेट किया है। बाद वाले को 6-स्पीड मैनुअल के साथ पेश किया जाता था, जिसे तीनों मॉडलों में 6-स्पीड iMT से बदल दिया गया है।

कितनी होगी कीमतें ?

KIA Diesel iMT वेरिएंट की कीमतें सॉनेट के लिए 9.95 लाख रुपये, सेल्टोस के लिए 12.39 लाख रुपये और कॉरेंस के लिए 12.65 लाख रुपये से शुरू होती हैं।

KIA टर्बो इंजन वेरिएंट

6-स्पीड iMT किआ के अपडेटेड टर्बो-पेट्रोल इंजन के साथ भी उपलब्ध है। सॉनेट 1.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन के साथ आता है, जबकि कॉरेंस को 1.5-लीटर T-Gdi यूनिट मिलती है। टर्बो-पेट्रोल iMT वेरिएंट की कीमत क्रमशः 10.49 लाख रुपये और 12.00 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है।

Carens को पांच ट्रिम्स में लिया जा सकता है, जिसमें प्रीमियम, प्रेस्टीज, प्रेस्टीज प्लस, लक्ज़री और लक्ज़री प्लस शामिल हैं। वहीं, सीटींग कपैसिटी के रूप में इसमें छह और सात सीटर विकल्प मिलता है। इस कार में 1-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन, 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन और 1.5-लीटर डीजल इंजन का विकल्प मिलता है।

Kia seltos Facelift

किआ सेल्टॉस अपने नए अपडेट अवतार में लॉन्च होने के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कंपनी इस फेसलिफ्ट कार को 2023 के मध्य में लॉन्च कर सकती है। सेल्टोस फेसलिफ्ट की पहले मिली जानकारी के मुताबिक, इस कार को एक बिल्कुल फ्रेश लुक दिया गया है। यह कार एक अपडेटेड हेडलैंप यूनिट और नए LED डीआरएल के साथ आएगी। साथ ही इसे एक नया फ्रंट फेसिया भी मिलेगा। फीचर्स लिस्ट में नई फ्रंट ग्रिल, बड़े एयर-डैम, नई LED टेल लैंप और पीछे की तरफ बंपर भी देखने को मिलेगा।

इनसाइड

डीजल इंजन के साथ Toyota Innova Crysta की भारतीय बाजार में वापसी, जानिए कीमत और फीचर्स

भारत में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली MPV ने फिर से वापसी कर ली है। हम बात कर रहे हैं डीजल इंजन वाली Toyota Innova Crysta के बारे में। क्या हैं इसके नए दाम और फीचर्स जान लीजिए।

नई दिल्ली। भारतीय कार बाजार में डीजल इंजन वाली Toyota Innova Crysta की फिर से वापसी हो गई है। हाल ही में कंपनी ने इसे नई कीमत के साथ लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसे नए आरडीई नियमों के साथ पेश किया है। क्या कुछ मिलेगा नई डीजल इंजन वाली Toyota Innova Crysta में, आइए जान लेते हैं।

डिजाइन में बदलाव

Toyota Innova Crysta डीजल के एक्सटीरियर में थोड़ा सा बदलाव किया गया है। कंपनी ने शानदार बोनट, क्रोम से घिरी एक बड़ी ट्रेपोजॉइडल ग्रिल, ब्लैक-आउट चिन के साथ बंपर और स्लीक हेडलाइट्स को इसके फ्रंट में ऑफर किया है। कार की साइड में ब्लैक-आउट बी-पिलर्स, इलेक्ट्रिकली-फोल्डिंग ओआरवीएम, ब्लैक क्लैडिंग के साथ व्हील-आर्क और 16 इंच डायमंड कट अलॉय व्हील दिया है।

मिल गया नया डीजल इंजन

बाजार में Innova Crysta पहले से हाइब्रिड और पेट्रोल इंजन के साथ उपलब्ध थी। इसके डीजल इंजन को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। कंपनी ने अब इसे आरडीई नियमों के साथ पेश किया है। नई इनोवा में आने वाला 2.4 L डीजल इंजन 150 बीएचपी की शक्ति और 343Nm का पीक टॉर्क प्रदान करता है। ये इंजन 5-स्पीड मैनुअल (MT) और 6-स्पीड आटोमेटिक (AMT) गियरबॉक्स विकल्प के साथ उपलब्ध है।

मिलेंगे ये फीचर्स

टोयोटा अपनी डीजल इंजन वाली नई Innova Crysta में स्पीडोमीटर, ड्राइवर विंडो पर ऑटो डाउन के साथ पावर विंडो, मैनुअल एसी यूनिट, ब्लैक फैब्रिक सीट कवर, डोर इनसाइड हैंडल इंटीरियर कलर दे रही है। वहीं इसमें हेड-अप डिस्प्ले, वायरलेस चार्जर, एयर आयोनाइजर और 16 रंगों के साथ डोर एज लाइटिंग और 8.0-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं। कंपनी इसमें मल्टी टेरेन मॉनिटर (360-डिग्री कैमरा), 3 SRS एयरबैग, EBD के साथ ABS, हिल स्टार्ट असिस्ट, ब्रेक असिस्ट, सीट बेल्ट वार्निंग, डोर अजर वार्निंग और इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकिंग सिस्टम जैसे सेफ्टी फीचर्स ऑफर करती है।

20 लाख से कम कीमत पर आती हैं ये सबसे सेफ कारें 5-स्टार रेटिंग के साथ मिलते हैं ये सेफ्टी फीचर्स

हम आपको 20 लाख रुपये से कम कीमत पर आने वाली 5 सबसे सेफ कारों के बारे में बताने जा रहे हैं। हमारी इस सूची में Mahindra XUV300 से लेकर Volkswagen Taigun तक शामिल है।

नई दिल्ली। आज के समय में सेफ्टी सबसे महत्वपूर्ण विषय है। हम लोग कार खरीदते हुए भी इस बात को ध्यान में रखते हैं। लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं और रोड पर हो रही अनियमितताओं के चलते लोग अपने बजट में सबसे सेफ कार खोजते हैं। आज के इस लेख में हम आपको 20 लाख रुपये से कम कीमत पर आने वाली 5 सबसे सेफ कारों के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही ये भी बताएंगे कि इन कारों में कौन से सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं और इनकी सेफ्टी रेटिंग क्या है। हमारी इस सूची में Mahindra XUV300 से लेकर Volkswagen Taigun तक शामिल है।

Tata Punch

Tata Punch को Tata Altroz के समान प्लेटफॉर्म पर बनाया गया है। एक समय में भारत में सबसे सुरक्षित कार का खिताब Tata Altroz के पास ही था। Tata Punch में एबीएस, ईबीडी, ड्यूल एयरबैग्स और ब्रेक स्वे कंट्रोल सहित कई सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं। साथ ही इसके एएमटी वेरिएंट में ट्रैक्शन प्रो मोड मिलता है जो ड्राइवरों को फिसलन और अनियमित सतहों पर चलने में मदद करता है। Tata Punch को Global NCAP में 5-स्टार रेटिंग मिली है। वहीं इसकी चाइल्ड ऑक्यूपेंट रेटिंग भी 4-स्टार है। आप Tata Punch को 6 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं।

Mahindra XUV300

Mahindra XUV300 को देश की सबसे सेफ Compact SUV माना जाता है। Mahindra की ये कॉम्पैक्ट एसयूवी 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग के साथ आती है। वहीं इस कार को चाइल्ड ऑक्यूपेंट कैटेगरी में भी 4 स्टार मिले हैं। Mahindra XUV300 कॉर्नर ब्रेक, 7 एयरबैग, एबीएस और ईबीडी जैसे सेफ्टी फीचर्स के साथ आती है। कंपनी की ये SUV काफी सुरक्षित है और मजबूत बॉडी के साथ आती है। Mahindra अपनी इस कार को 8.41 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर बेचती है।

Volkswagen Taigun

VW Taigun को हाल के ग्लोबल NCAP क्रैश टेस्ट में 5-स्टार मिले हैं। देश में बिकने वाली Volkswagen की इस कार ने वयस्क और बच्चों दोनों की सुरक्षा के लिए 5-स्टार की रेटिंग हासिल की है। वहीं सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो Taigun में 6 एयरबैग (ड्राइवर, फ्रंट पैसेंजर, दो पर्दे, ड्राइवर साइड और फ्रंट पैसेंजर साइड), मल्टी-टक्कर ब्रेक, ऑटो हिल-होल्ड कंट्रोल, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, पार्क डिस्टेंस कंट्रोल, रियर व्यू कैमरा और 3-पॉइंट सीट बेल्ट दिए गए हैं। साथ ही इसमें साइड इम्पैक्ट प्रोटेक्शन बीम, क्रम्पल जोन, और अन्य निष्क्रिय सुरक्षा सुविधाएं भी मिलती हैं। आप इसको 11.62 लाख रुपए की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं।

Skoda Kushaq

Volkswagen Taigun की तरह ही Skoda Kushaq ने भी वयस्क और बच्चे दोनों श्रेणियों के लिए नवीनतम क्रैश टेस्ट में 5 स्टार ग्लोबल NCAP रेटिंग हासिल की है। इस कार में आपको ट्रैक्शन कंट्रोल और हाई वेरिएंट पर छह एयरबैग जैसे कई सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं। साथ ही इसमें एंटी लॉक ब्रेक, इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकफोर्स डिस्ट्रीब्यूशन, मल्टी-कोलिजन ब्रेक, XDS के साथ इलेक्ट्रॉनिक डिफरेंशियल लॉक और इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल जैसे फीचर्स भी मिलते हैं। कंपनी अपनी इस कार को 11.59 लाख रुपए की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर बेचती है।

Mahindra Scorpio N

ग्लोबल एनसीएपी सुरक्षा परीक्षणों के हालिया दौर में Mahindra Scorpio N को 5-स्टार रेटिंग प्राप्त हुई है। हालांकि चाइल्ड ऑक्यूपेंट टेस्ट में इसे केवल 3-स्टार रेटिंग ही मिली है। इस 7-सीटर एसयूवी के बेस मॉडल में मजबूत बॉडीशेल के अलावा डुअल एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, रियर पार्किंग सेंसर और आईएसओफिक्स एंकर शामिल हैं। वहीं इसमें ESC, हिल-होल्ड कंट्रोल, हिल-डिसेंट कंट्रोल, साइड और कर्टन एयरबैग और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम जैसे सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। आप इस एसयूवी कार को 12.74 लाख रुपए की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत कर खरीद सकते हैं।

श्रीअन्न से संवरेगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था

डा. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित वैश्विक श्रीअन्न सम्मेलन में कहा कि मोटे अनाजों (श्रीअन्न) को बढ़ावा देने का अभियान देश के लगभग ढाई करोड़ सीमांत किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए वरदान है। इस मौके पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि भारत ने श्रीअन्न को वैश्विक स्तर पर भोजन की थाली तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया है।

निश्चित रूप से अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के तहत सरकार की यह रणनीति होनी चाहिए कि जिस तरह से पिछले चार-पांच दशकों में अन्य नकदी फसलों को बढ़ावा देने के कदम उठाए गए हैं, उसी तरह के कदम मोटे अनाजों के संदर्भ में भी उठाए जाएं। इनका न्यूनतम समर्थन मूल्य भी बढ़ाना होगा। देश के कृषि अनुसंधान संस्थानों के द्वारा मोटे अनाजों पर लगातार शोध बढ़ाया जाना होगा। देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से आम आदमी तक गेहूं एवं चावल की तुलना में मोटे अनाज की अधिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मोटे अनाजों की सरकारी खरीद बढ़ाई जानी होगी। साथ ही मोटे अनाजों के निर्यात को अधिक ऊंचाई देने की नई रणनीति भी बनाई जानी होगी। इससे जहां अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, वहीं किसानों को भी लाभ होगा'

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित वैश्विक श्रीअन्न सम्मेलन में कहा कि मोटे अनाजों (श्रीअन्न) को बढ़ावा देने का अभियान देश के लगभग ढाई करोड़ सीमांत किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए वरदान है। इस मौके पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि भारत ने श्रीअन्न को वैश्विक स्तर पर भोजन की थाली तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। खास बात यह है कि भारत के मौसम के लिहाज से मोटे अनाज की खेती अत्यधिक अनुकूल है। अधिक बारिश या फिर कम बारिश होने पर भी श्रीअन्न की फसलें अन्य अनाजों की तुलना में कम क्षतिग्रस्त होती हैं। ऐसे में श्रीअन्न को प्रोत्साहन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संबल मिलेगा। गौरतलब है कि इस वर्ष एक जनवरी 2023 से अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष (इंटरनेशनल मिलेटस ईयर) 2023 की शुरुआत हुई है। भारत सरकार के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया है, जिसे वर्ष भर देश के साथ ही वैश्विक स्तर पर उत्साह के साथ मनाने तथा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलेट्स की मांग और स्वीकार्यता बढ़ाने के उद्देश्य से, अनेक कदम सुनिश्चित किए गए हैं। पिछले दिनों केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा संसद परिसर में सांसदों के लिए 'विशेष मोटे अनाज (मिलेट्स) लंच' आयोजित करके देश-दुनिया में अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 में मिलेट्स को बढ़ावा देने की बड़ी अनूठी पहल की गई है। इस आयोजन में मोटे अनाज बाजरा से बनी खिचड़ी, रागी डोसा, रागी रोटी, ज्वार की रोटी, हल्दी की सब्जी, बाजरा चूरमा सहित कई व्यंजन परोसे गए। इतना ही नहीं जी-20 की अध्यक्षता के बीच जनवरी 2023 से अब तक जी-20 की 28 से अधिक कार्यसमूह बैठकों के तहत श्रीअन्न का प्रचार-प्रसार हुआ है।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि देश में एक जिला-एक उत्पाद के तहत 19 जिलों को श्रीअन्न के लिए चुना गया है। भारत में श्रीअन्न की उपज और खपत में लगातार वृद्धि हो रही है। इसकी विभिन्न प्रजातियों की खेती 12 राज्यों में होती है। प्रति व्यक्ति खपत पहले दो किलो प्रति माह थी, जो अब बढक़र 14 किलो तक पहुंच गई है। केंद्र सरकार ने कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) को श्रीअन्न के प्रचार-प्रसार की जिम्मेवारी सौंपी है और उसके संसाधन बढ़ाए हैं। एपीडा ने भी दो स्तरों पर काम प्रारंभ कर दिया। उसने ऐसे 30 प्रमुख देशों की सूची बना ली है, जो मोटे अनाज के बड़े आयातक हैं। साथ ही अपने देश के 21 राज्यों में उत्पादन बढ़ाने की कार्ययोजना भी बना ली है। एपीडा ने एक कदम और बढ़ाते हुए श्रीअन्न की खपत और कारोबार को प्रोत्साहित करने के लिए श्रीअन्न ब्रांड का निर्माण किया है। रेडी टू ईट और रेडी टू सर्व के अनुकूल श्रीअन्न पर आधारित सैंपल और स्टार्टअप जुटाए जा रहे हैं, जो ज्वार-बाजरा, रागी एवं अन्य मोटे अनाजों से नूडल्स, बिस्कुट, ब्रेकफास्ट, पास्ता, सीरियल मिक्स, कुकीज, स्नैक्स एवं मिठाइयां आदि बना सकें ताकि विश्व बाजार में निर्यात को बढ़ावा देने में सहूलियत हो सके। मोटे अनाज की फसलों की सरकारी खरीद को भी प्रोत्साहित करने के लिए राज्यों को विशेष रियायतें दी गई हैं। इसमें तीन महीने के भीतर इन अनाजों के वितरण की अनिवार्यता को समाप्त कर इसे छह से 10 महीने कर दिया गया है। वस्तुतः मोटे अनाजों को पोषण का पावर हाउस कहा जाता है। मोटा अनाज सूक्ष्म पोषक तत्वों, विटामिन और खनिजों का भंडार है। छोटे बच्चों और प्रजजन आयु वर्ग की महिलाओं के पोषण में विशेष लाभप्रद हैं। शाकाहारी खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के दौर में मोटा अनाज वैकल्पिक खाद्य प्रणाली प्रदान करता है। श्रीअन्न केवल भोजन या खेती तक ही सीमित नहीं हैं। भारतीय परंपरा में यह गांवों-गरीबों से जुड़ा है। छोटे किसानों के लिए समृद्धि का द्वार, करोड़ों लोगों के पोषण का आधार व आदिवासियों का सम्मान है। सामान्य भूमि और कम पानी में भी उगाया-उपजाया जा सकता है। यह रसायनमुक्त है। उर्वरा शक्ति को बढ़ाता है। खेती के लिए खाद की जरूरत नहीं पड़ती। जलवायु परिवर्तन से निपटने में मददगार है।

इनकी खेती सस्ती और कम चिंता वाली होती है। मोटे अनाजों का भंडारण आसान है और ये लंबे समय तक संग्रहण योग्य बने रहते हैं। विभिन्न दृष्टिकोणों से मोटे अनाज की फसलें किसान हितैषी फसले हैं। ज्ञातव्य है कि देश में कुछ दशक पहले तक सभी लोगों की थाली का एक प्रमुख भाग मोटे अनाज हुआ करते थे। फिर हरित क्रांति और गेहूं-चावल पर हुए व्यापक शोध के बाद गेहूं-चावल का हर तरफ अधिकतम उपयोगी होने लगा। मोटे अनाजों पर ध्यान कम हो गया। स्थिति यह है कि कभी हमारे खाद्यान्न उत्पादन में करीब 40 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले मोटे अनाज की हिस्सेदारी इस समय 10 प्रतिशत से भी कम हो गई है। निश्चित रूप से अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के तहत सरकार की यह रणनीति होनी चाहिए कि जिस तरह से पिछले चार-पांच दशकों में अन्य नकदी फसलों को बढ़ावा देने के कदम उठाए गए हैं, उसी तरह के कदम मोटे अनाजों के संदर्भ में भी उठाए जाएं। इनका न्यूनतम समर्थन मूल्य भी बढ़ाना होगा। देश के कृषि अनुसंधान संस्थानों के द्वारा मोटे अनाजों पर लगातार शोध बढ़ाया जाना होगा। देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से आम आदमी तक गेहूं एवं चावल की तुलना में मोटे अनाज की अधिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मोटे अनाजों की सरकारी खरीद बढ़ाई जानी होगी। साथ ही मोटे अनाजों के निर्यात को अधिक ऊंचाई देने की नई रणनीति भी बनाई जानी होगी।

हम उम्मीद करें कि 18 मार्च को आयोजित खाद्य सुरक्षा एवं पोषक के प्रति जागरूकता के वैश्विक सम्मेलन से जिस तरह श्रीअन्न को वैश्विक स्तर पर प्रचलन में लाने की जो जोरदार कोशिश आगे बढ़ी है, वह कोशिश जी-20 की अध्यक्षता के दौरान जी-20 के विभिन्न 200 से अधिक कार्य समूहों की बैठकों के माध्यम से और प्रभावी रूप से आगे बढ़ेगी। हम उम्मीद करें कि अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष भारत के लिए मोटे अनाज सहित खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। हमारे प्राचीन पोषक-अनाज को भोजन की थाली में पुनः सम्मानजनक स्थान मिल सकेगा। साथ ही इससे कुपोषण और खाद्य चुनौती का सामना किया जा सकेगा। साथ ही देश के द्वारा इस वर्ष 2023 में श्रीअन्न की अहमियत आर्थिक संसाधन के रूप में विकसित करके श्रीअन्न के निर्यात से अधिक विदेशी मुद्रा प्राप्त की जा सकेगी। इससे किसानों को भी लाभ होगा।

संपादक की कलम से

नफरती बोल, राज्य 'नपुंसक'

सर्वोच्च अदालत में एक न्यायाधीश ने टिप्पणी की थी कि नफरती भाषण और बयानबाजी दिए जा रहे हैं, क्योंकि राज्य नपुंसक हैं। राज्य शक्तिहीन हैं। राज्य वक्त पर कार्रवाई नहीं करते। ऐसे नफरती बोल उसी क्षण रुक सकते हैं, जब राजनीति और धर्म को अलग-अलग कर दिया जाए। जस्टिस केएम जोसेफ और जस्टिस बीवी नागरत्ना ने सवाल उठाया है कि आखिर हमें ऐसा राज्य क्यों चाहिए, जब सब कुछ नफरती हो रहा है?' हालांकि न्यायाधीश की 'नपुंसक' वाली उपमा अतिरेकपूर्ण है। कमोबेश लोकतांत्रिक नहीं है। वह राज्य को कमज़ोर, अक्षम, अप्रभावी, अनिर्णायक आदि कुछ भी कह सकते थे, लेकिन 'नपुंसक' के मायने हैं कि परोक्ष रूप से देश की जनता जिम्मेदार है, क्योंकि लोकतंत्र में जनता ही अपनी सरकार चुनती है। नफरती बयानबाजी दो पक्षों के बीच अधिक है। एक लगातार 'हिंदू राष्ट्र' बनाने को लोगों को उकसा रहा है। लाखों की भीड़ जुटाई जा रही है। दूसरा पक्ष ऐसा है, जो 'सरकलम' तक करने को उन्मादित है। सिख, ईसाई, बौद्ध, पारसी आदि समुदायों की ओर से नफरत के बोल अपवाद ही हो सकते हैं। हाल ही में रामनवमी के दिन जुलूस पर कई राज्यों में पथराव किया गया, हिंसा और आगजनी तक की गई। ऐसा बार-बार होता है, क्योंकि इनके मूल में 'नफरत' है। न्यायिक पीठ के सामने भारत सरकार के सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार नहीं, केरल सरकार खामोश है। मई, 2022 में पीएफआई ने एक रैली के दौरान आह्वान किए कि हिंदुओं और ईसाइयों के नरसंहार कर दो। बेशक आज इस संगठन पर भारत सरकार की पाबंदी है, लेकिन ऐसे भडक़ाऊ और हत्यारे बयान आज भी फिज़ाओं में हैं। द्रमुक पार्टी के एक प्रवक्ता का बयान भी उद्धृत किया गया, जिसमें कहा गया था कि यदि तुम्हें समानता चाहिए, तो सारे ब्राह्मणों की हत्या कर दो।' संदर्भ पेरियार का था। दरअसल ये नफरत ही नहीं, हिंसा और हत्या की पराकाष्ठा के बयान हैं। ऐसे बयानों पर अदालतों ने कभी स्वतः संज्ञान नहीं लिया, यह एक बेहद गंभीर सवाल है। अरस्तु, चाणक्य से लेकर डॉ. राममनोहर लोहिया तक ने माना है कि धर्म और राजनीति परस्पर पूरक हैं, लिहाजा दोनों को अलग करना नफरती सियासत का कोई समाधान नहीं है। 'राम मंदिर' के मुद्दे पर जो माहौल बना, उसके मद्देनजर राजनीति दोफाड़ हो गई-सांप्रदायिक और धर्मनिरपेक्ष। ऐसी राजनीति 1989 के बाद से आज तक जारी है। 'नफरती सियासत' का आगाज़ नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से हुआ, क्योंकि धर्मनिरपेक्ष और मुस्लिमवादी दल आज भी उन्हें 2002 के गोधरा सांप्रदायिक दंगों का 'खलनायक' मानते हैं। हिन्दू-मुसलमान के दोफाड़ पर हमने कई सांप्रदायिक दंगों की बर्बरता भी देखी है, लेकिन राज्य 'नपुंसक' इसलिए करार दिए जा सकते हैं, क्योंकि नफरती बयानों में धर्म का पुट भी होता है। इस संदर्भ में दिसंबर, 2021 में हरिद्वार में आयोजित 'धर्मसंसद' याद आती है। उसके दौरान इस्लाम और मुसलमान को ही निशाना बनाया। कुछ साधु-संतों ने कहा कि हिन्दू या तो मरने के लिए तैयार रहें अथवा मारने के लिए।' हथियार धारण करने तक के आह्वान किए गए। दूसरी तरफ कुछ आतंकवादी चेहरों ने हिन्दुओं के 'सरकलम' तक कर दिए और धमकियां अब भी जारी हैं। ओवैसी, मदनी, रज़ा, बर्क सरीखे मुस्लिम नेताओं और मौलाना-मुल्लाओं ने 'हिन्दूवाद' की राजनीति के 'तल्ख और भडक़ाऊ' जवाब दिए हैं। चूंकि सरकारें कोई दंडात्मक या कारगर कार्रवाई नहीं कर पातीं, लिहाजा न्यायाधीश ने राज्य को 'नपुंसक' ही करार दे दिया है। भारत में मुस्लिम लीग, शिरोमणि अकाली दल, राम राज्य परिषद और हिन्दू महासभा आदि ऐसे राजनीतिक दल आज भी सक्रिय हैं, बाकायदा चुनाव लड़ते हैं, आयोग में पंजीकृत हैं, जो पूर्णतः धर्म और सांप्रदायिकता के विघटनकारी आधार पर खड़े हैं।

मेरी राय

बिजली को मुफ्त का

मुफ्त की तहरीर भी कीमत वसूलती है, यहां तो कीमत को मुफ्त की जागीर मिली है। राजनीति को अर्थशास्त्र भले कुछ न समझा सके, मगर वित्तीय प्रबंधन की जिम्मेदारी हिसाब मांगती है। यही हिसाब-किताब हिमाचल के अर्थतंत्र को यथार्थ दिखाते हुए बिजली का झटका दे रहा है। ऐसे में सियासी नजाकत में भरा हर नूर काफी है बजट को डुबोने के लिए। अब हकीकत के मोड़ पर, सिर पर चांदनी का कफन पहने हिमाचल ने बिजली आपूर्ति के सारे भ्रम तोड़े हैं। यानी जो वर्ग मुफ्त की बिजली नहीं चाहता उसी को महंगी आपूर्ति से अपना सिर खुजलाना पड़ेगा। हमने अपने साप्ताहिक प्रश्न में आम नागरिकों से जब पूछा कि क्या उन्हें मुफ्त की बिजली चाहिए, तो बहुपक्ष में ऐसे किसी प्रस्ताव का समर्थन नहीं हुआ, लेकिन सरकारी फैसलों की कंदराओं में नाखून भरे हैं। बिजली, पानी या इसी तरह की तमाम सुविधाओं को हमेशा तर्कसंगत अंदाज से जनता को संबोधित करना इतना भी आसान नहीं कि एक ओर मुफ्त की बिजली हो और दूसरी ओर बिजली का नया बिल हो। घरेलू उपभोक्ताओं को अब 125 यूनिट से अधिक खपत पर 22 पैसे और व्यावसायिक तथा औद्योगिक उद्देश्य के लिए 46 पैसे प्रति यूनिट अधिक चुकाने पड़ेंगे। वाहन चार्जिंग स्टेशन के लिए भी 12 पैसे प्रति यूनिट बिजली की दरें बढ़ रही हैं। अब 300 यूनिट से अधिक बिजली खर्च करने वाले उपभोक्ताओं को 5.22 रुपए की दर से भुगतान करना होगा, इस तरह मुफ्त के बाजार में जो लोग नहीं रहना चाहेंगे, उन्हें अब अपनी जेब को खाली करना पड़ेगा। यानी सरकार को अपनी गारंटी के मापतोल में तीन सौ यूनिट तक के उपभोक्ताओं की भले ही आगे चलकर मुफ्त की मीटर रीडिंग करनी पड़े, लेकिन इस सीमा से ऊपर नई विद्युत दरों का भौकाल खड़ा है। फिलहाल 125 यूनिट तक के कुल 14 लाख उपभोक्ता मुफ्त की बिजली सेंक रहे हैं। यानी कुल 24 लाख हिमाचली उपभोक्ताओं में से आधे से अधिक अब सरकार के जवाईं हैं, तो बाकी बचे दस लाख भी अगर तीन सौ यूनिट की मुफ्त की परिधि में आ गए, तो बिजली दरों का जमूरा नाचेगा कैसे। जनता की सुविधा के लिए बता दें कि अब 125 से एक यूनिट भी ज्यादा खपत की तो कुल 126 यूनिट का बिल आएगा 525 रुपए। जो उपभोक्ता इस सीमा से ऊपर आज सरकार की तिजोरी भर रहे हैं, वे अगर कल तीन सौ यूनिट मुफ्त की बिजली रसीद करने लगे, तो शेष बचे उपभोक्ता ही विद्युत निगम की लुटिया बचाएंगे। यानी अब बिजली का खर्च उठाने के लिए या तो बाजार, व्यापार, उद्योग मदद करेगा या तीन सौ यूनिट से ऊपर जाने वाले उपभोक्ता को जेब ढीली करनी पड़ेगी। कल जब तीन सौ तक मुफ्त बिजली होगी तो 301 यूनिट खपत होते ही घर आएगा डेढ़ हजार का बिल। बिजली की ताकत अब बड़े उपभोक्ताओं या संयुक्त परिवारों के आंगन में ही बसेगी। ऐसे में अब उपभोक्ताओं की नीयत का बंटवारा विद्युत निगम कर रहा है। पहले ही कुछ अति चतुर नागरिकों ने अपने घर को बिजली के मीटरों में इस तरह विभक्त कर लिया है कि मुफ्त की बिजली अब नीतियों की बैसाखी बनकर कैद होकर रह गई है। कल इसी तरह मुफ्त बिजली पाने की प्रेरणा तीन सौ यूनिट तक के विभाजन में निगम की आर्थिक बिजली गुल करेगी। जाहिर है एक ओर विद्युत आपूर्ति की मद में राज्य को अपने राजस्व घाटे की आपूर्ति करनी है, तो दूसरी ओर चुनावी गारंटी के उद्घोष में आर्थिक वजह को खारिज करना है। बजट की ऐसी व्यवस्था में राज्य के संसाधनों को लूटने की चोर प्रवृत्ति को एक तरह से आसरा ही मिलेगा, क्योंकि वर्तमान दरें उपभोक्ताओं को मुफ्त की दरियादिली में धकेल जरूर देंगी। राज्य के वित्तीय स्वास्थ्य के लिए जनता का योगदान सर्वोपरि है, लेकिन यहां मुफ्तखोरी का बोझ बढ़ते-बढ़ते नैतिकता के उद्घोष को सुन्न कर देगा। जनता हर बढ़ोतरी को प्रदेश के हित में सहन कर सकती है, लेकिन इस तरह का जादू नहीं देखना चाहेगी कि एक तरफ बिजली महंगी होती रहे तो दूसरी ओर मुफ्त के बल्ब जलते रहें।

आवश्यक है सभ्य एवं संवेदनशील आचरण

प्रो. सुरेश शर्मा

जब हम दूसरे व्यक्तियों, प्राणियों तथा जीव-जंतुओं की परेशानी, तकलीफ या दुःख-दर्द को स्वयं में अनुभव करते व्यथित तथा द्रवित होने लगते हैं तो समझो हम शालीन, विनम्र एवं संवेदनशील हो रहे हैं। यह हमारे व्यक्तित्व का अमूल्य तथा असाधारण गुण है। मन, वचन एवं कर्म से अपने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष आचरण तथा कृत्य से किसी को किसी प्रकार का दुःख तकलीफ न पहुंचाना, परेशान न करना ही संवेदनशील आचरण है। हमारे समाज में प्रत्येक घर, परिवार, गली, मुहल्ले, गांव, समाज, सम्प्रदाय में पूरा वर्ष भर शादी- विवाह, पार्टियां, मेले, त्योहार, कीर्तन, जागरण, कथा-भागवत कथा सप्ताह, धार्मिक एवं सार्वजनिक उत्सव होते ही रहते हैं। धार्मिक आस्था के आनंद में मंदिरों में जयकारे, शंखनाद, घंटियां, ढोल-नगाड़े, श्रद्धालुओं के दलों का भक्ति के वातावरण में झूमना, अपने इष्ट के लिए नाचना, सुबह-शाम की आरती, गुरद्वारों में शब्द-कीर्तन, जयघोष, मस्जिदों में हर रोज़ पांच बार की नमाज़, गिरिजाघरों में प्रार्थनाएं होना स्वाभाविक है। यह हमारी श्रद्धा, भक्ति, आस्था का प्रश्न है। इस पर कोई टिप्पणी भी नहीं हो सकती क्योंकि पूजा पाठ पद्धति, धर्म-कर्म आस्था तथा विश्वास किसी भी व्यक्ति का व्यक्तिगत मामला है। प्रत्येक व्यक्ति, समुदाय मत, सम्प्रदाय तथा धर्म स्वतन्त्र है अपने आनन्द, उल्लास तथा अभिव्यक्ति के लिए। यह होना भी चाहिए क्योंकि यही हमारी सांस्कृतिक एवं धार्मिक विविधता है। सभी मतों, धर्मों तथा संस्कृतियों को स्वीकारते हुए हम एकता के सूत्र में भी बंधे हैं। लेकिन किसी भी जाति, समाज, धर्म, मत, समुदाय तथा संप्रदाय होने से पूर्व हम एक सामाजिक प्राणी तथा मनुष्य हैं, एक जागरूक नागरिक हैं तथा हम सभी को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए। संविधान ने हम सभी को स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया है। यह स्वतन्त्रता तब समाप्त हो जाती है जब यह किसी और व्यक्ति की स्वतन्त्रता के लिए घातक हो जाती है।

गैर ज़िम्मेदाराना व्यवहार, अमर्यादित आचरण तथा उतावलापन बन्द होना चाहिए। वैसे भी दूसरे को परेशान कर आपको कभी भी मानसिक एवं और आत्मिक शान्ति नहीं मिल सकती। अपनी अपनी रीतियों, संस्कृतियों, विधि-विधानों तथा वृतियों के अनुसार हम अपना आनन्द लेते हैं, लेकिन अपनी मौज-मस्ती, उल्लास एवं आनन्द में हम दूसरे के दुःख तकलीफ का ध्यान रखना भूल जाते हैं। जहां इस समाज में खुशियों के अनेक अवसर प्राप्त होते हैं वहीं यह भी तो सत्य है कि इसी समाज में मृत्यु, शोक, बीमारी तथा पीड़ा से भी अनेकों लोग ग्रसित हैं। क्या यह भी सत्य नहीं है कि प्रत्येक परिवार में छोटे-छोटे मासूम बच्चे तथा पीड़ा एवं बीमारियों से ग्रसित बूढ़े भी रहते हैं? क्या यह भी सत्य नहीं है कि प्रत्येक परिवार में पढने वाला बच्चे तथा युवा भी आये दिन परीक्षाओं की तैयारी में जुटे रहते हैं? सबको मिलाकर यह समाज बनता है। इसलिए एक ज़िम्मेदार नागरिक बन कर हमें अपने कुशल व्यवहार तथा संवेदनशीलता का परिचय देना चाहिए। किसी के दुख, तकलीफ, परेशानी की कीमत पर आपको आनन्द और उल्लास का लाईसेंस नहीं मिल सकता। प्रायः समाज में देखा गया है कि कथा, उद्यापन, भागवत, विवाह, पार्टी या धार्मिक तथा सामाजिक आयोजन में हम एक नागरिक होने की सीमाएं भूल जाते हैं। वर्तमान में हमारी युवा पीढ़ी मल्टी नेशनल कम्पनियों में आनलाइन कार्य करते हैं, उन्हें रात भर जागना पड़ता हैं इससे उनका कार्य भी प्रभावित होता है। नींद हमें शारीरिक तथा मानसिक रूप से शान्ति प्रदान करती है। विभिन्न आयोजनों पर ये ध्वनि यन्त्र तथा कानफाड़ संगीत हमें परेशान करते हैं और हम किसी की परवाह किए बिना अपने आनन्द में मस्त रहते हैं। अपने आप को सन्तुष्ट तथा आनंदित करने के लिए हम दूसरों को परेशान कर देते हैं। हमें यह आभास तथा एहसास ही नहीं होता कि ऐसा करने किसी को कष्ट, दुःख या तकलीफ हो सकती है। हमें संवेदनशील होना पड़ेगा। माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशों से रात दस बजे के उपरांत किसी भी तरह के ध्वनि यंत्रों तथा पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम के प्रयोग पर प्रतिबंध है, लेकिन हर रोज़ हम अपने आसपास इन नियमों की धज्जियां उड़ते देखते हैं। यह सब प्रशासन के साये में ही होता है।

नियमों का उल्लंघन होने पर सामान्य प्रशासन तथा पुलिस प्रशासन को भी आवश्यकता पडने पर कानून का डंडा दिखाना चाहिए। इसी प्रकार अनेक पढ़े-लिखे, समझदार व्यक्तियों को अनैतिक,

> गैर ज़िम्मेदाराना व्यवहार, अमर्यादित आचरण तथा उतावलापन बन्द होना चाहिए। वैसे भी दूसरे को परेशान कर आपको कभी भी मानसिक एवं और आत्मिक शान्ति नहीं मिल सकती। अपनी अपनी रीतियों, संस्कृतियों, विधि-विधानों तथा वृतियों के अनुसार हम अपना आनन्द लेते हैं, लेकिन अपनी मौज-मस्ती, उल्लास एवं आनन्द में हम दूसरे के दुःख तकलीफ का ध्यान रखना भूल जाते हैं।

असभ्य तथा अव्यावहारिक कृत्य करते देखा गया जो अपराध की श्रेणी में तो नहीं आते बल्कि ये कार्य असुविधा, अशांति तथा अव्यवस्था फैलाते हैं। गांवों में कई व्यक्तियों को दूध न देने पर अपने पालतू गऊओं, बछड़ों तथा बैलों को सडक़ों पर छोड़ते हुए देखा गया है। आवारा पशु सडक़ों पर ट्रैफिक जाम लगाते हैं तथा दूसरी ओर किसानों की फसलें उजाड़ते हैं। आये दिन इन आवारा पशुओं के आक्रमण से अनेकों राहगीर घायल होते हैं तथा कई बार उनकी मृत्यु भी हो जाती है। शहरी क्षेत्रों में रात के अंधेरे में अनेकों पढ़े-लिखे व्यक्तियों को अपने घर के कूड़े को दूसरों के गेट पर फैंकते देखा जा सकता है। इसी प्रकार पालतू कुत्तों के माध्यम से दूसरों के गेट पर गंदगी फैलाना कहां का सभ्य आचरण है? हैरानी यह कि अनेकों बार यह कार्य शिक्षित तथा संभ्रांत वर्ग से सम्बन्धित लोग करते हैं। एक जागरूक नागरिक एवं सामाजिक प्राणी होने के नाते हमें संवेदनशील होकर इन छोट-छोटे, सामान्य तथा महत्वपूर्ण विषयों पर विचार करना चाहिए कि कहीं हम प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से किसी की निजता, स्वतन्त्रता तथा शान्ति में बाधक तो नहीं बन रहे। पूछें अपनी आत्मा से कि कोई हमारे कृत्य एवं आचरण से परेशान तो नहीं हो रहा? हम अपनी स्वतन्त्रता की आड़ में किसी का सुख-चैन, शान्ति तथा स्वतन्त्रता को तो नहीं छीन रहे? समाज में उपरोक्त सामान्य अनैतिक तथा असभ्य कृत्य अनेकों बार बड़ी-बड़ी समस्याओं को जन्म देते हैं। इससे जहां समाज में नागरिकों को असुविधा तथा परेशानी होती है, वहीं पर अनेकों बार लोगों को गाली-गलौज तथा लड़ाई झगड़ा करते देखा गया है। अनैतिक तथा असभ्य आचरण से समाज में अशांति, अव्यवस्था तथा असंतोष फैलता है। एक स्वस्थ समाज का निर्माण करने के लिए हमें सभी के दुःख, तकलीफ तथा पीड़ा को समझना होगा। एक नागरिक होने के नाते हमें ज़िम्मेदार बन कर अपने एवं दूसरों के अधिकारों तथा अपने कर्तव्यों को समझना होगा। सभी जागरूक, समझदार तथा संवेदनशील बन कर एक स्वस्थ समाज की स्थापना में सहयोग कर सकते हैं।

चिंतन विचार

भ्रष्टाचार की मानहानि

निर्मल असो

> हम ईमानदारी तो विदेश से आयात कर सकते हैं, लेकिन इतने भी गिरे नहीं कि भ्रष्टाचार को भी आयात करने की जरूरत पड़ जाए। खैर मैं जैसे ही गंगा में नोटबंदी से बची भारतीय करंसी के पाप धो कर बाहर निकला, सामने भ्रष्टाचार को मांगते सुना, 'कोई है जो मुझे विदेशी रिपोर्टों से बचा सके।'

पहली बार भ्रष्टाचार को फटेहाल देखकर गंगा मैया को भी अफसोस हुआ। भ्रष्टाचार चिथड़ों में लिपटा इस आशा में गंगा किनारे घूम रहा था कि कहीं से दो छींटे गंगा जल के उसके ऊपर गिरें और वह भी पवित्र हो जाए। उसने सुन रखा था कि हर हार में जीत है, इसलिए वह एक बार पवित्र होने के लिए हार कर जीतना चाहता था। भ्रष्टाचार को खाने के लिए तो हर वस्तु अमृत है, लेकिन जब से चारे तक के लिए नेताओं को सजा मिलने लगी है, वह मुंह मारने से पहले व्यवस्था को खाने लायक बनाने लगा है। दरअसल उसकी स्थिति तब बिगड़ी जब सरकार ने सारा काला धन गिन लिया और यह भी कह दिया कि काला धन उठाकर घर-घर हर नागरिक तक पहुंचा देगी। उसी दिन से भ्रष्टाचार की पहले जेब कटी और फिर कपड़े उतरने शुरू हो गए। देश में इतनी ईमानदार सरकारें आ रही हैं कि देख-देख कर कभी भ्रष्टाचार के कपड़े उतरने लगे तो कभी वह उतरते-उतरते गंगा के घाट पर पहुंचने लगा है। हद तो यह कि एक विदेशी रिपोर्ट ने बिना किसी प्रमाण के भारत के पले पलाए भ्रष्टाचार की आंतडियों में अंगूठा दे दिया। अच्छी-भली पाचन शक्ति तभी से खराब है।

हम ईमानदारी तो विदेश से आयात कर सकते हैं, लेकिन इतने भी गिरे नहीं कि भ्रष्टाचार को भी आयात करने की जरूरत पड़ जाए। खैर मैं जैसे ही गंगा में नोटबंदी से बची भारतीय करंसी के पाप धो कर बाहर निकला, सामने भ्रष्टाचार को मांगते सुना, 'कोई है जो मुझे विदेशी रिपोर्टों से बचा सके।' यह पुकार मेरी आत्मा तक थी, लिहाजा एक हाथ से उसे संभाला और दूसरे से मैंने उसके इर्द-गिर्द खड़े ईमानदार तमाशबीनों को पीछे हटाया। भ्रष्टाचार से मेरी जान-पहचान कई छोटे-मोटे सरकारी कार्य करवाते हुई थी, लिहाजा हम दोनों घुले-मिले और एक ही थैली के चट्टे-बट्टे जैसे थे। भ्रष्टाचार मुझे अपनी व्यथा सुना रहा था और मैं सोच रहा था कि हम भारतीय कितने मिलनसार हैं कि बातों-बातों में भी हम भ्रष्टाचार की जान बचा सकते हैं। दुनिया का कोई राष्ट्रवाद, कानून, लोकतांत्रिक देश या किसी भी प्रकार की देशभक्ति हमारा मुकाबला नहीं कर सकती, क्योंकि हम भ्रष्टाचार को किसी भी सूरत मरने नहीं दे सकते। मुझे अपना हितैषी तथा विश्वासपात्र मानकर भ्रष्टाचार बोला, 'दरअसल मुझे मानहानि सताने लगी है। मुझे भी अपनी रक्षा के लिए मानहानि का मामला बनाना होगा। पहली मानहानि डॉलर पर करूंगा, क्योंकि मेरी सारी कमाई वह रुपए की कीमत गिरा कर कम कर देता है। हद तो यह कि देश जहां पहुंच गया है, वहां भी लोग ईमानदारी की बात करते हैं।

जनाब! यह मेरी कमाई को बट्टा लगाने की कोशिश है। एक बार ईमानदारी के जिन्न पैदा हो गए, तो उन्हें बोतल में बंद करना मुश्किल हो जाएगा। कल ईमानदारी के दो जिन्न किसी तरह बोतल में बंद किए, आज वे भी मानहानि की बात कर रहे हैं।' भ्रष्टाचार हांफने लगा था, तो मैंने उसके मुंह में एक ऐसी खबर डाल दी जिसके अनुसार अपने कुछ भ्रष्टाचारी लोग देश के बाहर आराम से निकल गए थे। इससे उसे राहत मिली, लेकिन वह सुझाव देने लगा, 'हम सबके हित में है कि प्रेस खत्म हो जाए और प्रेस कांफ्रेंस प्रतिबंधित कर दी जाएं। न रहेंगी खबरें और न ही हमारे प्रश्रयदाताओं को कोई प्रेस सम्मेलन में बुला पाएगा।' भ्रष्टाचार को अब लगने लगा था कि जिस देश ने उसे इतना सम्मान दिया, वही अब मानहानि करने लगा है। वह कहने लगा, 'देखो! देश कहां जा रहा है। अनपढ़ता को भी मानहानि की जरूरत है, क्योंकि पढ़े-लिखे अनपढ़ साबित हो रहे हैं। अब तो चोरों को भी मानहानि का विशेषाधिकार मिलना चाहिए क्योंकि चुराए हुए गहने भी मिलावटी साबित हो रहे हैं। देश की आर्थिकी में भ्रष्टाचार की हिस्सेदारी न रही, तो कौन राजनीति में जाएगा।' तभी वहां एक पागल बंदा 'मानहानि-मानहानि' चिल्लाता हुआ गंगा में नहाने लगा, तो भ्रष्टाचार से नहीं रहा गया। उसने आसपास भीख मांग रहे सभी तरह के भ्रष्टाचारों को बुलाया और वे मांग करने लगे, 'गंगा में पाप धोने वाले देश के भ्रष्टाचार को कमजोर कर रहे हैं, अतः आज से गंगा पर ही मानहानि का मुकद्दमा दर्ज होगा।'

ओल्ड रिजीम चूज करें या न्यू रिजीम? कहां है फायदा यहां जानिए हर एक बात

परिवहन विशेष न्यूज

आर्थिक जगत का नया साल शुरू हो गया है। यदि आप सैलेरिड (Salaried) हैं तो आपके दफ्तर की तरफ से भी मेल आ गया होगा। यह मेल होगा सेलेक्शन का। आपसे पूछा जा रहा होगा कि आप न्यू टैक्स रिजीम में रहना चाहते हैं या ओल्ड टैक्स रिजीम में। इस बारे में यदि आपके मन में कोई भ्रम है तो उसे हम दूर करेंगे...

नई दिल्ली: इनकम टैक्स (Income Tax) या किसी अन्य वित्तीय कार्य के लिए नया साल (New Year) शुरू हो चुका है। इसके साथ ही टैक्सपेयर्स के दफ्तर वालों ने पूछताछ शुरू कर दी है। यह पूछताछ होगी इनकम टैक्स रिजीम (Income Tax Regime) के बारे में। दफ्तर ने पूछना शुरू कर दिया है कि टैक्सपेयर किस व्यवस्था के तहत रहना चाहेंगे, न्यू या ओल्ड? हम आज यहां बताते हैं कि कौन सी कर व्यवस्था किस टैक्सपेयर (Income Tax Payers) के लिए बेहतर रहेगी।

ओल्ड में कितनी आय पर जीरो टैक्स?

साल 2023-24 के बजट प्रस्ताव में ही केंद्र सरकार ने नई टैक्स रिजीम में टैक्स रिबेट (Tax Rebate In New Tax Regime) बढ़ा दी है। अब यह सीमा दो लाख रुपये की हो चुकी है। मतलब कि अब यदि कोई टैक्स पेयर नई टैक्स रिजीम चुनता है तो उसे 5 लाख रुपये की जगह 7 लाख रुपये तक की सालाना आमदनी पर कोई इनकम टैक्स नहीं देना होगा। इसके साथ ही सैलेरिड को इसी साल से नई कर व्यवस्था में भी 50,000 रुपये का स्टैंडर्ड डिडक्शन (Rs.50,000 Standard Deduction In New Tax Regime) का लाभ मिलेगा। इस तरह, जिनकी कुल सालाना आमदनी 7.5 लाख रुपये है, वो नई टैक्स रिजीम चुनकर टैक्स मुक्त हो जाएंगे।

ओल्ड टैक्स रिजीम में कितनी आमदनी पर जीरो टैक्स

ओल्ड टैक्स रिजीम यानी पुरानी टैक्स व्यवस्था में इनकम टैक्स से मुक्त होने की सालाना आय सीमा 5.50 लाख रुपये (Tax Rebate In Old Tax Regime) ही है। अगर कोई टैक्स पेयर पुरानी कर व्यवस्था चुन कर इनकम टैक्स की विभिन्न धाराओं के तहत डिडक्शन का लाभ लेता है। और अपनी कर योग्य आमदनी 5.50 लाख रुपये तक ले आता है, तो उसका इनकम टैक्स जीरो हो जाएगा। इस बार के बजट में पुरानी कर व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया।

ओल्ड टैक्स रिजीम बनाम नई टैक्स रिजीम

केंद्र सरकार ने चालू साल के बजट में न्यू टैक्स रिजीम को बढ़ावा देने का प्रावधान किया है। इसे आकर्षक बनाने के लिए स्टैंडर्ड डिडक्शन का तोहफा दिया गया है। साथ ही टैक्स रिबेट की सीमा दो लाख रुपये बढ़ा दी गई है। ओल्ड रिजीम को ज्यों का त्यों छोड़ दिया गया। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या न्यू टैक्स रिजीम बेहतर है?

सर्वर डाउन होने से ऑनलाइन और यूपीआई सेवाएं प्रभावित, ग्राहक हो रहे परेशान

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के कई ग्राहकों को नेट बैंकिंग और यूपीआई सेवा के लिए समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई एसबीआई उपयोगकर्ताओं ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर बैंक सर्वर धीमी होने के कारण हो रही परेशानी के बारे में बताया है। इन ट्वीट्स में लोगों ने सर्वर डाउन और नॉन-रिस्पॉन्सिव होने की बात कही है।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के कई ग्राहकों को नेट बैंकिंग और यूपीआई सेवा के लिए समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई एसबीआई उपयोगकर्ताओं ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर बैंक सर्वर धीमी होने के कारण हो रही परेशानी के बारे में बताया है। इन ट्वीट्स में लोगों ने सर्वर डाउन और नॉन-रिस्पॉन्सिव होने की बात कही है। एसबीआई की जो सेवाएं प्रभावित हैं उनमें नेट बैंकिंग, यूपीआई भुगतान और आधिकारिक एसबीआई ऐप (योनो) शामिल हैं। इससे पहले एक अप्रैल को भी एसबीआई की ऑनलाइन सेवाएं प्रभावित रही थी।

ऑनलाइन एसबीआई की साइट नहीं खुल रही

एक अप्रैल को भी आई थी ऑनलाइन सेवाओं में परेशानी

इससे पहले 1 अप्रैल, 2023 को एसबीआई ने सर्वर रखरखाव की सूचना दी थी। वार्षिक समापन गतिविधियों के कारण बजे तक INB/YONO/UPI की सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। दोपहर एक बजकर 30 मिनट से चार बजकर 43 मिनट तक इंटरनेट बैंकिंग, योनो और यूपीआई सेवाओं को बाधित रहने की बात कही गई थी। भारतीय स्टेट बैंक ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी थी।

सोमवार को सुबह से ही एसबीआई ग्राहक रहे परेशान

देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की नेट बैंकिंग समेत कई सेवाएं सोमवार सुबह से ही ठप हैं। कई उपभोक्ताओं ने फंड ट्रांसफर में आने वाली दिक्कतों की शिकायत भी की है। बता दें कि एसबीआई की इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं के अलावा यूपीआई और योनो ऐप से जुड़ी सेवाएं भी काम नहीं कर रही हैं।

ग्राहकों ने की लेन-देन में हो रही परेशानी की शिकायत

एसबीआई का सर्वर डाउन होने के कारण हो रही परेशानियों के बारे में कई ग्राहकों ने शिकायत कही है। कई ग्राहकों ने बताया है कि उनके क्रेडिट कार्ड पेमेंट तक नहीं हो पा रहे हैं। बैंक की वेबसाइट पर 'something went wrong at the bank servers. Please Retry' मैसेज दिख रहा है। वैश्विक स्तर पर बैंक सर्वरों में होने वाली दिक्कतों को ट्रैक करने वाली वेबसाइट डाउन डिटेक्टर ने भी एसबीआई की सेवाओं में आ रही दिक्कतों के संबंध में ट्वीट किया है।

यूजर्स 32 घंटे से एसबीआई का पेमेंट गेटवे प्रभावित होने की कर रहे शिकायत

भारतीय स्टेट बैंक के एक यूजर ने ट्वीट करते हुए कहा है कि एसबीआई का पूरा पेमेंट गेटवे पिछले 32 घंटों से काम नहीं कर रहा है। इस बीच बैंक की ओर से कहा गया प्रिय ग्राहक हम असुविधा के लिए माफी मांगते हैं। आपसे अनुरोध है कि दोबारा कोशिश करें और समस्या बनी रहती है तो हमें बताएं।

इनसाइड

अदाणी-हिंडनबर्ग विवाद के बीच एनएसई का बड़ा बयान, कहा- हमारी सभी निगरानी कार्रवाई पारदर्शी

नई दिल्ली। एनएसई की ओर से जारी बयान में कहा गया है, 'आवेदन की अवधि के साथ सटीक मापदंड सार्वजनिक डोमेन में रहे हैं और लगातार लागू किए गए हैं।' उन्होंने कहा, 'एक्सचेंजों में आम बात है कि ये नियम स्वतः लागू होते हैं और इनपर किसी भी मानवीय दखल की गुंजाइश नहीं है। साथ ही ये नियम और समीक्षा अवधि भी बाजार के लिए पूर्व-घोषित होते हैं।'

अदाणी-हिंडनबर्ग विवाद के बीच नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपनी निगरानी कार्रवाइयों के बारे में एक बयान जारी किया। देश के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज ने जोर देकर कहा कि सभी व्यक्तिगत शेयरों पर इसका निगरानी तंत्र पूरी तरह से पारदर्शी और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त है। एनएसई ने रविवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि अतिरिक्त निगरानी उपायों (एएसएम) और अन्य व्यापारिक गतिविधि-आधारित विशिष्ट नियमों जैसे मूल्य बैंड, व्यापार के लिए व्यापार (टी 2 टी) और अन्य के तहत स्टॉक्स को जोड़ने और बाहर करने की प्रक्रिया उन मापदंडों पर आधारित है जो मूल्य अस्थिरता, मात्रा, बाजार पूंजीकरण, ग्राहक एकाग्रता और तरलता मापदंडों पर संचालित होते हैं। एनएसई की ओर से जारी बयान में कहा गया है, 'आवेदन की अवधि के साथ सटीक मापदंड सार्वजनिक डोमेन में रहे हैं और लगातार लागू किए गए हैं।' उन्होंने कहा, 'एक्सचेंजों में आम बात है कि ये नियम स्वतः लागू होते हैं और इनपर किसी भी मानवीय दखल की गुंजाइश नहीं है। साथ ही ये नियम और समीक्षा अवधि भी बाजार के लिए पूर्व-घोषित होते हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा डेरिवेटिव एक्सचेंज है एनएसई

दुनिया के सबसे बड़े डेरिवेटिव एक्सचेंज का यह बयान अदाणी समूह के तीन शेयरों को एएसएम तंत्र से हटाए जाने के दो दिन बाद आया है। इसमें अदाणी एंटरप्राइजेज, अडानी ग्रीन एनर्जी और नई दिल्ली टेलीविजन (एनडीटीवी) के शेयर शामिल हैं। एएसएम सेबी और एक्सचेंजों की एक पहल है जिसमें निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिभूतियों को अल्पकालिक या दीर्घकालिक ढांचे में स्थानांतरित किया जाता है। दूसरी ओर, स्टॉक एक्सचेंजों के अनुसार अदाणी समूह के दो शेयरों को सोमवार, 20 मार्च, 2023 से दीर्घकालिक अतिरिक्त निगरानी उपायों (एएसएम) के पहले चरण में रखा जाएगा। बीएसई और एनएसई ने अपने परिपत्रों में कहा कि दोनों प्रतिभूतियों को 20 मार्च से दीर्घकालिक एएसएम फ्रेमवर्क में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

उच्च अस्थिरता के कारण अदाणी समूह के शेयरों को रखा गया था एएसएम ढांचे के तहत

हालांकि एनएसई ने अपने बयान में किसी खास समूह या कंपनी के नाम का उल्लेख नहीं किया है। उच्च अस्थिरता के बीच निवेशकों की सुरक्षा के लिए एक्सचेंजों की ओर से शेयरों को अतिरिक्त निगरानी ढांचे के तहत रखा जाता है। दिलचस्प बात यह है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद उच्च अस्थिरता के कारण अदाणी समूह के शेयरों को एएसएम ढांचे के तहत रखा गया है।

मार्च में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां तीन महीने के उच्चतम स्तर पर, पीएमआई इंडेक्स 56.4 पर पहुंचा

एसएंडपी ग्लोबल भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मार्च माह में बढ़कर 56.4 पर पहुंच गया। इससे पहले फरवरी में यह 55.3 पर था, जो 2023 में अब तक परिचालन परिस्थितियों में सबसे मजबूत सुधार दर्शाता है।

नई दिल्ली। नए ऑर्डर और उत्पादन में वृद्धि, मांग में आई मजबूती और लागत दबाव में कमी आने के बीच देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां मार्च महीने के दौरान तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। सोमवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह कहा गया। एसएंडपी ग्लोबल भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मार्च माह में बढ़कर 56.4 पर पहुंच गया। इससे पहले फरवरी में यह 55.3 पर था, जो 2023 में अब तक परिचालन परिस्थितियों में सबसे मजबूत सुधार दर्शाता है।

मार्च के पीएमआई आंकड़े के अनुसार, लगातार 21वें महीने के लिए समग्र परिचालन स्थितियों में सुधार हुआ है। पीएमआई में आंकड़ा 50 से ऊपर रहने का अर्थ है कि कारोबारी गतिविधियों में विस्तार हुआ है, जबकि 50 से नीचे रहने का मतलब इसमें गिरावट हुई है।

एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की सहायक निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, 'मार्च में भारतीय सामानों की अंतर्निहित मांग मजबूत रही। उत्पादन में लगातार विस्तार हो रहा है और कंपनियों ने अपना भंडार बढ़ाने के प्रयास तेज कर दिए हैं।'

सर्वे के मुताबिक लागत संबंधी मुद्रास्फीति मार्च में ढाई साल के अपने दूसरे सबसे निचले स्तर पर आ गई और इसकी वजह आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव कम होना तथा कच्ची सामग्री की उपलब्धता बढ़ना है।

रिपोर्ट कहती है कि 96 प्रतिशत कंपनियों को फरवरी के बाद से लागत दबाव में कोई परिवर्तन महसूस नहीं हुआ है। लीमा ने कहा, ''पिछले वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में बिक्री के दाम और बढ़े हैं लेकिन मुद्रास्फीति की दर सामान्य है और लगभग फरवरी जितनी ही है। बिक्री बढ़ाने की खातिर शुल्क जस के तस रखे गए हैं।''

रोजगार के मोर्चे पर, व्यापार में मामूली वृद्धि होने की वजह से कंपनियों ने नई भर्तियां नहीं की। लीमा ने कहा कि कंपनियों और आपूर्तिकर्ताओं के पास पर्याप्त क्षमता है, काम का दबाव ज्यादा नहीं होने से मार्च में रोजगार सृजन प्रभावित हुआ।

1400 रुपये मजबूत होकर सोना ऑल टाइम हाई पर पहुंचा, चांदी भी 1860 रुपये मजबूत

दिल्ली के बाजारों में सोने का हाजिर भाव 60,100 रुपये रहा इसमें 1400 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी दिखी। विदेशी बाजारों में सोना और चांदी दोनों तेजी के साथ क्रमशः 2,005 डॉलर प्रति औंस और 22.55 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करते दिखे।

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुख के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 1,400 रुपये की तेजी के साथ 60,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 58,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 1,860 रुपये की तेजी के साथ 69,340 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

वैश्विक बाजार में भी सोना और चांदी की कीमतें बढ़ीं

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी के अनुसार, ''दिल्ली के बाजारों में सोने का हाजिर भाव 60,100 रुपये रहा इसमें 1400 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी दिखी। विदेशी बाजारों में सोना और चांदी दोनों तेजी के साथ क्रमशः 2,005 डॉलर प्रति औंस और 22.55 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करते दिखे।

वैश्विक सर्राफा बाजार में तीन साल की सबसे बड़ी साप्ताहिक तेजी दिखी

गांधी ने कहा कि एशियाई बाजार के कारोबारी घंटों में कॉमेक्स सोने की कीमतों में तेजी आई और यह 55 सप्ताह के उच्च स्तर 2,005 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (जिंस शोध) नवनीत दमानी ने कहा, ''बैंकिंग संकट की लहर ने वैश्विक बाजारों को हिला दिया और सर्राफा में तीन साल की सबसे बड़ी साप्ताहिक तेजी नजर आई।

TATA को लगा 'देसी चाइनीज' का चस्का, इस कंपनी को खरीदने के लिए ITC, नेस्ले जैसी कंपनियों में मची होड़

चिंग्स सीक्रेट और स्मिथ एंड जोन्स जैसे सीक्रेट मलासे और नूडल्स बनाने वाली कंपनी कैपिटल फूड्स बिकने जा रही है। साल 1995 में जिस कंपनी की शुरुआत हुई थी आज वो बिकने के कगार पर पहुंच गई है। टाटा, आईसीटी, एचयूएल जैसी दिग्गज कंपनियां इसे खरीदने के लिए आपस में भिड़ने जा रही है।

नई दिल्ली: बहुत कम ऐसा होता है जब किसी एक कंपनी को खरीदने के लिए दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां आमने-सामने आ जाती है। ऐसा ही कुछ कैपिटल फूड्स प्राइवेट कंपनियों की डील में दिख रहा है। चिंग्स सीक्रेट (Ching's Secret) और स्मिथ एंड जोन्स ब्रांड्स के तहत कॉन्डीमेंट्स फूड प्रॉडक्ट्स बनाने वाली कंपनी कैपिटल फूड्स बिकने जा रही है। इस कंपनी को खरीदने के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियों में होड़ मची है। टाटा (Tata), नेस्ले, हिन्दुस्तान यूनिलीवर (HUL), क्रॉफ्ट हाइंज, आईटीसी, ओरक्ला और निसिन फूड्स जैसी बड़ी कंपनियों में होड़ मच गई है।

इकोनॉमिक्स टाइम्स की खबर के मुताबिक कैपिटल फूड्स को खरीदने के लिए बड़ी कंपनियों में जबरदस्त होड़ मची है। कैपिटल फूड्स के तीन शेयरहोल्डर्स यूरोपियन फैमिली ऑफिस एंड इनवेस्टमेंट इनवस (Invus Group), अमेरिकी प्राइवेट इक्विटी ग्रुप जनरल एटलांटिक और कंपनी के चेयरमैन अजय गुप्ता की हिस्सेदारी है। तीनों की हिस्सेदारी क्रमशः 40 %, 35% और 25 फीसदी है।

कैपिटल फूड्स के लिए बड़ी टक्कर

कैपिटल फूड्स को खरीदने के लिए दुनिया की बड़ी कंपनियां आमने-सामने हैं। नेस्ले, टाटा समूह, आईसीटी, एचयूएल, जापान की बड़ी नूडल्स कंपनी निसिन, नार्वे की कंपनी ओरक्ला और दुनिया की बड़ी फूड और बवरेजेज कंपनी हाइंड के बीच सीधी टक्कर हो रही है। कंपनी चिंग्स सीक्रेट इंस्टेंट चाइनीज नूडल्स, सूप, मसालें, पेस्ट, फ्रोजन प्रोडक्ट, फूड पेस्ट, सॉस जैसे प्रोडक्ट्स बेचती है। कैपिटल फूड्स जो आपको घर पर चाइनीज फूड बनाने के लिए सीक्रेट मसाले और सॉस उपलब्ध करवाती है, उसके लिए दिग्गज कंपनियों में भिड़त होने वाली है। माना जा रहा है कि मई 2023 में नॉन बिड्स शुरु हो सकती है।

1995 में हुई थी शुरू

इस कंपनी की शुरुआत साल 1995 में अजय गुप्ता ने की थी। कुछ ही वक्त में कंपनी ने मार्केट में अपनी पैठ बना ली। अजय ने देसी चाइनीज सेगमेंट और इटैलियन फूड्स सेगमेंट की शुरुआत की थी। फिर अचानक से बीते साल कंपनी को बेचने की खबर आई। सबसे पहले 14 नवंबर को सबसे पहले ये खबर सामने आई की कंपनी बिकने जा रही है। जिसके बाद कई राउंड्स की मीटिंग हुई। कई कंपनियों के साथ शुरुआती दौर की बैठक हो चुकी है। अब टाटा समेत दुनियाभर की बड़ी कंपनियों के बीच इसे खरीदने के लिए कंप्टीशन शुरु हो गया है।

फिर दुनिया के टॉप-5 संक्रमित देशों की सूची में पहुंचा भारत, 24 घंटे में रिकॉर्ड केस मिले, 11 मौतें

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, रविवार को संक्रमण की चपेट में आने से 11 लोगों की मौत हो गई। इनमें चार केरल, तीन महाराष्ट्र और दिल्ली, कर्नाटक और राजस्थान से एक-एक मौतें शामिल हैं। इसी के साथ कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर पांच लाख 30 हजार 892 हो गई है। कोरोना से जुड़ी बुरी खबर है। भारत एक बार फिर से दुनिया उन पांच देशों में शामिल हो गया है, जहां इन दिनों सबसे ज्यादा संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले 24 घंटे के अंदर देश में कोरोना के रिकॉर्ड केस बढ़े हैं। इस बीच, 3,641 लोग पॉजिटिव पाए गए। इसी के साथ सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 20 हजार 219 हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, रविवार को संक्रमण की चपेट में आने से 11 लोगों की मौत हो गई। इनमें चार केरल, तीन महाराष्ट्र और दिल्ली, कर्नाटक और राजस्थान से एक-एक मौतें शामिल हैं। इसी के साथ कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर पांच लाख 30 हजार 892 हो गई है। दैनिक सकारात्मकता दर 6.12 दर्ज की गई जबकि साप्ताहिक सकारात्मकता 2.45 प्रतिशत आंकी गई। देश में अब तक चार करोड़ 47 लाख 26 हजार 246 लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 0.05 प्रतिशत लोगों का अभी इलाज चल रहा है, जबकि चार करोड़ 41 लाख 75 हजार 135 लोग ठीक हो चुके हैं।

दो साल की सजा के खिलाफ सूरत कोर्ट ने राहुल गांधी को दी फौरी राहत, अब आगे क्या होगा?

बीते महीने सूरत के सीजेएम कोर्ट ने मोदी सरनेम मानहानि केस में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई थी। आज इस केस में कोर्ट से राहुल को जमानत मिल गई है। कोर्ट ने कांग्रेस नेता की जमानत 13 अप्रैल तक बढ़ा दी है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 'मोदी सरनेम' टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के खिलाफ अदालत में अपील करने के लिए सोमवार को सूरत पहुंचे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी भाई राहुल के साथ सूरत आईं। सूरत कोर्ट ने राहुल को 13 अप्रैल तक जमानत दे दी। वहीं, उनकी सजा के खिलाफ सुनवाई के लिए तीन मई की तारीख दे दी। राहुल के सूरत जाने पर राजनीति भी शुरू हो गई है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि ये लोग अपील के नाम पर हुड़दंग करने जा रहे हैं। वहीं, कांग्रेस का कहना है कि यह राहुल गांधी के साथ उनकी एकजुटता है।

मोदी उपनाम केस में अभी क्या हो रहा है?

बीते महीने सूरत के सीजेएम कोर्ट ने मोदी सरनेम मानहानि केस में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने इस सजा को चुनौती देने के लिए राहुल को एक महीने का समय दिया था। सजा सुनाए जाने के बाद राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता चली गई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, कोर्ट के फैसले को चुनौती देने के लिए याचिका तैयार की गई है। इसी कड़ी में राहुल गांधी ने आज सूरत कोर्ट में याचिका दाखिल की।

मामला क्या है?

2019 में मोदी उपनाम को लेकर की गई टिप्पणी के मामले में 23 मार्च को सूरत की सीजेएम कोर्ट ने धारा 504 के तहत राहुल को दो साल की सजा सुनाई थी। हालांकि, कोर्ट ने फैसले पर अमल के लिए 30 दिन की मोहलत दे दी। इसके साथ ही उन्हें तुरंत जमानत भी दे दी थी। दरअसल, 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान कर्नाटक के कोलार की एक रैली में राहुल गांधी ने कहा था, 'कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी है?' इसी को लेकर भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। उनका आरोप था कि राहुल ने अपनी इस टिप्पणी से समूचे मोदी समुदाय की मानहानि की है। राहुल के खिलाफ आईपीसी की धारा 499 और 500 (मानहानि) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

कोर्ट के फैसले के बाद क्या हुआ?

सूरत कोर्ट में सुनवाई के बाद राहुल की सजा बरकरार रह सकती है या कम भी सकती है, या फिर उन्हें बरी भी किया जा सकता है। अगर सूरत कोर्ट से राहत नहीं मिलती तो राहुल के पास हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट जाने का विकल्प भी होगा। सूरत कोर्ट अगर राहुल की सजा पर रोक नहीं लगाता तो भी राहुल ऊंची अदालतों में जा सकते हैं।

नियम के अनुसार, अगर किसी सांसद या विधायक को दो साल या इससे अधिक की सजा होती है तो उसकी सदस्यता चली जाती है। राहुल के साथ भी ऐसा ही हुआ। अगले ही दिन 24 मार्च को लोकसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता जाने का आदेश जारी कर दिया। साज सुनाए जाने के 11 दिन बाद राहुल को सूरत कोर्ट ने 13 अप्रैल तक जमानत दे दी। राहुल के मामले अब तीन मई को सुनवाई होगी।

आगे क्या होगा?

सूरत कोर्ट में सुनवाई के बाद राहुल की सजा बरकरार रह सकती है या कम भी सकती है, या फिर उन्हें बरी भी किया जा सकता है। अगर सूरत कोर्ट से राहत नहीं मिलती तो राहुल के पास हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट जाने का विकल्प भी होगा। सूरत कोर्ट अगर राहुल की सजा पर रोक नहीं लगाता तो भी राहुल ऊंची अदालतों में जा सकते हैं।

सांसदी बहाल कराने के लिए राहुल के पास क्या विकल्प?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता भी बहाल हो सकती है और वो बरी भी हो सकते हैं लेकिन ये सब कुछ ऊपरी अदालत में तय होगा। राहुल के पास अभी कुछ विकल्प बचे हैं, जैसे:

सबसे पहले, राहुल गांधी को सजा के खिलाफ स्टे ऑर्डर लेने के लिए सूरत कोर्ट गए हैं। यदि वह अपनी संसद की सदस्यता बरकरार रखना चाहते हैं, तो वायनाड लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव होने से पहले राहुल गांधी को बरी होना होगा है; केवल उनकी सजा के खिलाफ रोक पर्याप्त नहीं होगी।

वह 2024 का चुनाव तभी लड़ सकते हैं जब कोई ऊपरी अदालत उनकी सजा को रद्द कर दे, या यदि सूरत की निचली अदालत का फैसला पलट दिया जाए। अगर ऊपरी अदालत निचली अदालत से राहुल गांधी की दोषसिद्धि को रद्द नहीं करती है तो वह 2031 तक चुनाव नहीं लड़ सकते।

यदि उन्हें सजा से स्थगन आदेश मिलता है, तो उन्हें लोकसभा सचिव को सूचित करना होगा और अनुरोध करना होगा कि वह संसद से अपनी अयोग्यता के नोटिस को रद्द कर दें। यदि लोकसभा राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता अयोग्यता की अधिसूचना को रद्द नहीं करती है, तो कांग्रेस नेता लोकसभा अध्यक्ष के फैसले के खिलाफ अदालत जा सकते हैं।

मामले में क्या राजनीति हो रही है?

मानहानि केस में कोर्ट की सजा के खिलाफ याचिका दायर करने जा रहे राहुल के साथ कांग्रेस नेताओं की बड़ी फौज भी सूरत पहुंची है। अब इसको लेकर भाजपा ने निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने इसे नौटंकी करार दिया और कहा कि ये सब लोग अपील के नाम पर हुड़दंग करने जा रहे हैं। संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर, कांग्रेस और राहुल से सवाल किया कि क्या ये न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश हो रही है? वहीं कानून मंत्री और भाजपा नेता कानून मंत्री किरण रिजिजू ने राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'राहुल गांधी जो कर रहे हैं वह भी अपीलीय अदालत पर दबाव बनाने की बचकानी कोशिश है। देश की सभी अदालतें ऐसे हथकंडों से अछूती हैं।' रिजिजू के बयान पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पलटवार किया। उन्होंने कहा, 'न्यायपालिका पर कोई दबाव नहीं बना सकता। हम सूरत जा रहे हैं। कांग्रेस मुख्य विपक्षी पार्टी है और राहुल गांधी हमारी पार्टी के बड़े नेता हैं। यह कोई राजनीतिक नाटक नहीं है। हम उनके साथ खड़े हैं...।' कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम अदालत के फैसले पर बहस नहीं कर सकते लेकिन हम केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ सकते हैं।

राहुल की सजा के बीच पीएम मोदी का इशारा, भ्रष्टाचारी बचना नहीं चाहिए, सीबीआई को रुकने की जरूरत नहीं

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, पहले की सरकारों में भ्रष्टाचारियों ने देश का खजाना लूटने का एक तरीका बना रखा था। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचारियों के साथ-साथ, करप्शन को बढ़ावा देने वाले कारणों पर भी चोट की है...

कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, सोमवार को सूरत पहुंच गए हैं। बताया जा रहा है कि वे अपनी दो साल की सजा के खिलाफ सूरत की अदालत में याचिका दायर कर सकते हैं। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इशारों-इशारों में साफ कर दिया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी सरकार की मुहिम धीमी नहीं पड़ेगी। मोदी ने सीबीआई के डायमंड जुबली समारोह/चिंतन शिविर के उद्घाटन पर कहा, सीबीआई को रुकने या हिचकने की जरूरत नहीं है, कोई भ्रष्टाचारी बचना नहीं चाहिए। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में देश आपके साथ है, कानून आपके साथ है और संविधान आपके साथ है। पहले भ्रष्टाचार की होड़ लगती थी और आरोपी निश्चिंत रहते थे। तब का सिस्टम उनके साथ खड़ा था। नतीजा, लोग फैसला लेने से डरने लगे। अब देश में भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार हो रहा है।

सीबीआई जांच की मांग के लिए आंदोलन

पीएम मोदी ने सीबीआई की सराहना करते हुए कहा, जब किसी को लगता है कि ये केस तो असाध्य है, उस स्थिति में मामला सीबीआई को देने की बात होती है। सीबीआई जांच की मांग के लिए आंदोलन होता है। जन साधारण का ऐसा भरोसा जीतना, सीबीआई के लिए गौरव की बात है। आज न्याय के, इंसाफ के एक ब्रांड के रूप में सीबीआई हर व्यक्ति की जुबान पर है। सीबीआई ने अपने काम और कौशल से आमजन का विश्वास जीता है।

राहुल गांधी के साथ उनकी बहन प्रियंका गांधी और कांग्रेस के कई दिग्गज नेता भी सूरत पहुंच रहे हैं। हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के कांग्रेसी सीएम भी सूरत में मौजूद हैं। पहले मानहानि मामले में राहुल गांधी को सजा और उसके बाद उनकी लोकसभा सदस्यता खत्म होना, इस घटनाक्रम के बाद कांग्रेस ने संसद से लेकर सड़क तक केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संसद में कांग्रेस पार्टी को विपक्ष का भी खूब साथ मिल रहा है। जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू होती है तो दोनों पक्षों की तरफ से हंगामा होने लगता है। नतीजा, संसद की कार्यवाही को स्थगित कर दिया जाता है।

पीएम मोदी ने भ्रष्टाचार को लेकर अप्रत्यक्ष तौर से कांग्रेस पर वार किया है। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार, लोकतंत्र और न्याय के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा होता है। इसी भ्रष्टाचार के कारण, गरीबों से उनका हक छीना जाता है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, पहले की सरकारों में भ्रष्टाचारियों ने देश का खजाना लूटने का एक तरीका बना रखा था। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचारियों के साथ-साथ, करप्शन को बढ़ावा देने वाले कारणों पर भी चोट की है। उन्होंने सीबीआई के अफसरों, विभिन्न राज्यों और केंद्रीय सुरक्षा बलों के डीजीपी व अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में कहा, देश में आज भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की कोई कमी नहीं है। आपको किसी भी तरह से थमना नहीं है।

फोन पर मिलते थे लोन

पहले की सरकारों में नौकरी, रक्षा क्षेत्र व यूरिया जैसे अनेक घोटाले हुए थे। हमने 2014 से पहले का बैंकिंग वाला दौर भी देखा है। ये वो दौर था, जब दिल्ली में प्रभावशाली राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों के फोन पर हजारों करोड़ रुपये के लोन मिला करते थे। इसके चलते देश की अर्थव्यवस्था का आधार, यानी बैंकिंग सिस्टम ही बर्बाद हो गया। पीएम ने कहा, गत वर्षों में हमने बैंकिंग सेक्टर को मुश्किलों से बाहर निकाला है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस सहित दूसरे विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, साल 2014 के बाद हमारा पहला दायित्व, व्यवस्था में भरोसे को फिर से कायम करने का रहा है। हमारी सरकार ने काले धन को लेकर, बेनामी संपत्ति को लेकर मिशन मोड में एक्शन शुरू किया। जहां भ्रष्टाचार होता है, वहां युवाओं को उचित अवसर नहीं मिलते। वहां सिर्फ एक विशेष इको-सिस्टम ही फलता-फूलता है। भ्रष्टाचार प्रतिभा का सबसे बड़ा दुश्मन होता है।

राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध की तैयारी, कांग्रेस ने बनाई रणनीति

बीती 23 मार्च को मानहानि के एक मामले में सूरत की कोर्ट ने राहुल गांधी को दोषी ठहराया था और उन्हें दो साल की सजा सुनाई थी।

हैदराबाद। राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने के बाद तेलंगाना कांग्रेस ने बड़े पैमाने पर इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। तेलंगाना कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने यह जानकारी दी है। रेवंत रेड्डी ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के निर्देश पर कांग्रेस पार्टी प्रदेश भर में, राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रही है।

पूरे प्रदेश में सड़कों पर उतरेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने बताया कि कांग्रेस पार्टी की सभी शाखाएं एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एसटी मोर्चा, एससी मोर्चा और अन्य संगठन इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। यह विरोध प्रदर्शन मोदी सरकार के खिलाफ किया जाएगा। रेड्डी ने बताया कि आठ अप्रैल को मानचेरियल में सत्याग्रह का आयोजन किया जाएगा, जिसका नेतृत्व बत्ती विक्रमार्का करेंगे। इसके बाद 10 से 25 अप्रैल तक हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा प्रदेश भर में निकाली जाएगी। जिसमें राहुल गांधी को संसद सदस्यता से अयोग्य ठहराने को मुद्दा बनाया जाएगा। बता दें कि बीती 23 मार्च को मानहानि के एक मामले में सूरत की कोर्ट ने राहुल गांधी को दोषी ठहराया था और उन्हें दो साल की सजा सुनाई थी। नियमों के मुताबिक दो साल की सजा पाने के बाद राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म हो गई थी।

TSPSC का पेपर लीक मामला

तेलंगाना में तेलंगाना स्टेट पब्लिक सर्विस कमीशन का पेपर लीक करने का मामला भी छाया हुआ है। ऐसे में कांग्रेस इस मुद्दे पर भी विरोध प्रदर्शन करेगी और राज्य सरकार को घेरने का प्रयास करेगी। रेवंत रेड्डी ने बताया कि 25 अप्रैल को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। कांग्रेस की योजना है कि एक लाख बेरोजगार युवकों के साथ यह धरना प्रदर्शन किया जाएगा। रेड्डी ने कहा कि प्रदेश के 30 लाख बेरोजगार युवकों का भविष्य इससे दांव पर लगा हुआ है। तेलंगाना कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री के बेटे केटी रामाराव को मंत्री पद से हट जाना चाहिए। साथ ही तेलंगाना स्टेट पब्लिक सर्विस कमीशन के अध्यक्ष और सदस्यों को भी पद से हटाया जाना चाहिए। एक नई कमेटी का गठन किया जाए और उसके बाद एग्जाम कराए जाएं। बता दें कि TSPSC का पेपर लीक होने के बाद बीती 15 मार्च को होने वाली परीक्षा रद्द हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में TSPSC के दो सदस्य भी शामिल हैं।

हुड़दंग, नौटंकी, हंगामे से तामझाम तक, राहुल गांधी की याचिका पर भाजपा नेता का हमला

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। मानहानि केस में दो साल की सजा के खिलाफ आज राहुल गांधी सूरत की सेशंस कोर्ट में याचिका दायर करेंगे। सूत्रों के अनुसार, इस दौरान उनके साथ प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस के कई बड़े नेता रहेंगे। कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहेंगे। इसको लेकर अब भाजपा ने निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने इसे नौटंकी करार दिया और कहा कि ये सब लोग अपील के नाम पर हुड़दंग करने जा रहे हैं।

संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, 'राहुल गांधी अपने परिवार के सदस्य, कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री के साथ सूरत जा रहे हैं। यहां वो कोर्ट द्वारा सुनाए गए दो साल की सजा के खिलाफ अपील के नाम पर हुड़दंग की कोशिश करेंगे।' पात्रा ने आगे कांग्रेस और राहुल से सवाल किया कि क्या ये न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश हो रही है?

आखिर हंगामे की जरूरत क्या है?

संबित पात्रा ने कहा, 'राहुल गांधी को ओबीसी समाज के लोगों के लिए जातिसूचक शब्द का इस्तेमाल करने, ओबीसी समाज को अपमानित करने के लिए दोषी करार कर दंडित किया। उनकी सदस्यता रद्द हुई। ये कार्रवाई यूपीए सरकार के दौरान बनाए गए कानून के तहत ही हुई है। अब ये सभी सजा के खिलाफ याचिका दायर करने जा रहे हैं। वहां हंगामा करने जा रहे हैं। इस हंगामे की आखिर जरूरत क्या है? ये लोग सीधे तौर पर नौटंकी करने जा रहे हैं।'

क्या है मामला?

दरअसल, राहुल गांधी पर 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान 'मोदी सरनेम' पर विवादित टिप्पणी करने का आरोप लगा था। इसी मामले में राहुल गांधी को इस मामले में दोषी छठराते हुए दो साल की सजा सुना दी। नियम के अनुसार, अगर किसी सांसद या विधायक को दो साल या इससे अधिक की सजा होती है तो उसकी सदस्यता चली जाती है। राहुल के साथ भी ऐसा ही हुआ। अगले ही दिन लोकसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता जाने का आदेश जारी कर दिया था।

पर गुजरात के भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने मानहानि का मुकदमा दायर किया था। जिसपर सुनवाई करते हुए पिछले दिनों सूरत की एक अदालत ने अपना फैसला सुनाया।

सर्वर डाउन होने से ऑनलाइन और यूपीआई सेवाएं प्रभावित, ग्राहक हो रहे परेशान

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के कई ग्राहकों को नेट बैंकिंग और यूपीआई सेवा के लिए समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई एसबीआई उपयोगकर्ताओं ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर बैंक सर्वर धीमी होने के कारण हो रही परेशानी के बारे में बताया है। इन ट्वीट्स में लोगों ने सर्वर डाउन और नॉन-रिस्पॉन्सिव होने की बात कही है।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के कई ग्राहकों को नेट बैंकिंग और यूपीआई सेवा के लिए समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई एसबीआई उपयोगकर्ताओं ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर बैंक सर्वर धीमी होने के कारण हो रही परेशानी के बारे में बताया है। इन ट्वीट्स में लोगों ने सर्वर डाउन और नॉन-रिस्पॉन्सिव होने की बात कही है। एसबीआई की जो सेवाएं प्रभावित हैं उनमें नेट बैंकिंग, यूपीआई भुगतान और आधिकारिक एसबीआई ऐप (योनो) शामिल हैं। इससे पहले एक अप्रैल को भी एसबीआई की ऑनलाइन सेवाएं प्रभावित रही थी।

एक अप्रैल को भी आई थी ऑनलाइन सेवाओं में परेशानी

इससे पहले 1 अप्रैल, 2023 को एसबीआई ने सर्वर रखरखाव की सूचना दी थी। वार्षिक समापन गतिविधियों के कारण बजे तक INB/YONO/UPI की सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। दोपहर एक बजकर 30 मिनट से चार बजकर 43 मिनट तक इंटरनेट बैंकिंग, योनो और यूपीआई सेवाओं को बाधित रहने की बात कही गई थी। भारतीय स्टेट बैंक ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी थी।

सोमवार को सुबह से ही एसबीआई ग्राहक रहे परेशान

देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की नेट बैंकिंग समेत कई सेवाएं सोमवार सुबह से ही ठप हैं। कई उपभोक्ताओं ने फंड ट्रांसफर में आने वाली दिक्कतों की शिकायत भी की है। बता दें कि एसबीआई की इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं के अलावा यूपीआई और योनो ऐप से जुड़ी सेवाएं भी काम नहीं कर रही हैं।

ग्राहकों ने की लेन-देन में हो रही परेशानी की शिकायत

एसबीआई का सर्वर डाउन होने के कारण हो रही परेशानियों के बारे में कई ग्राहकों ने शिकायत कही है। कई ग्राहकों ने बताया है कि उनके क्रेडिट कार्ड पेमेंट तक नहीं हो पा रहे हैं। बैंक की वेबसाइट पर 'something went wrong at the bank servers. Please Retry' मैसेज दिख रहा है। वैश्विक स्तर पर बैंक सर्वरों में होने वाली दिक्कतों को ट्रैक करने वाली वेबसाइट डाउन डिटेक्टर ने भी एसबीआई की सेवाओं में आ रही दिक्कतों के संबंध में ट्वीट किया है।

यूजर्स 32 घंटे से एसबीआई का पेमेंट गेटवे प्रभावित होने की कर रहे शिकायत

भारतीय स्टेट बैंक के एक यूजर ने ट्वीट करते हुए कहा है कि एसबीआई का पूरा पेमेंट गेटवे पिछले 32 घंटों से काम नहीं कर रहा है। इस बीच बैंक की ओर से कहा गया प्रिय ग्राहक हम असुविधा के लिए माफी मांगते हैं। आपसे अनुरोध है कि दोबारा कोशिश करें और समस्या बनी रहती है तो हमें बताएं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए लेखक स्वयं जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023